राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 20 अक्टूबर 2025 वर्ष-8, अंक-241 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

केरल में बारिश से निचले इलाकों में आई बाढ़, कई जिलों में ऑरेंज व यलो अलर्ट जारी

एर्नाकुलम केरल के कई जिलों में ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को भारी बारिश हुई। वहीं कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। मौसम विज्ञान विभाग ने छह जिलों एर्नाकुलम, इडुक्की, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। वहीं आठ जिलों के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईएमडी ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए भी 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। 'ऑरेंज' अलर्ट 24 घंटों में 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर के बीच ''बहुत भारी बारिश'' का संकेत है जबकि 'येलो' अलर्ट छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच ''भारी बारिश'' का संकेत देता है। बारिश से इडुक्की जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां शनिवार रात और रविवार सुबह कई हिस्सों से बाढ़ और भूस्खलन की खबरें हैं। अधिकारियों ने बताया कि नेदुमकंदम, कुमिली और कट्टप्पना इलाकों में बाढ़ की खबर है। जिला अधिकारियों ने बताया कि लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। लगातार बारिश से मुल्लापेरियार बांध का जलस्तर बढ़ गया। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग ने 13 'स्पिलवे शटर' (फाटक) 100 सेंटीमीटर तक खोल दिए हैं। रिपोर्ट में जिला अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि बांध से 1,400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका जलस्तर सुबह पांच बजे 139.30 फुट दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले के तीन अन्य बांधों से भी पानी छोड़ा जा रहा है। एर्नाकुलम में रात भर हुई भारी बारिश के कारण रेलवे स्टेशन के पास बाढ़ आ गई, वहां मरम्मत का काम जारी है। कई नदियों में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। पथनमथिट्टा, कोझिकोड, मलप्पुरम और कन्नूर जिलों में भी भारी बारिश हुई। मलप्पुरम में, जिला अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का पानी खेत में घुस गया है जिससे फसलों को नुकसान हुआ है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है, क्योंकि 22 अक्टूबर तक मौसम खराब रहने का अनुमान है।

धुंध और धुंए की चादर में लिपटी दिल्ली- दीवाली से पहले ही घुटने लगा दम, एक्यूआई 400 पार

नई दिल्ली न तो अभी दीवाली के पटाखे ठीक से फोड़े गए हैं और न ही कड़ाके की ठंड पड़ी है। इसके बाद भी दिल्ली एनसीआर में दम घुटने लगा है। यहां का एक्यूआई 400 के पार हो गया है और पूरी दिल्ली धुंध और धुंए की चाद में लिपटी दिखाई दे रही है। साउथ दिल्ली में तो कॉलेज स्टूडेंट मास्क लगाकर बाहर निकल रहे हैं। यहां प्रदूषण इतना अधिक बढ़ गया है कि लोगों की आंखें चुभ रही हैं। अब तो लोगों को दिवाली की शॉपिंग भी डरावनी लग रही है। लोगों को बाहर निकलने में भी डर लगने लगा है। अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार ये प्रदूषण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में बुजर्गों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। दिवाली से एक दिन पहले रविवार की सुबह ही दिल्ली एनसीआर धुंध की मोटी चादर में लिपट गया है। यहां सड़कों पर विजिबिलिटी 50 मीटर से कम हो गया है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) लेवल 400 के आंकड़े को पार कर गया है। आनंद बिहार में तो ये आंकड़ा 418 को पार कर गया है। एक तरह से दिल्ली गैस चैंबर बन चुकी है। जहां हर सांस में जहर घुलता नजर आ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक तेजी से बिगड़ रहा है। मंगलवार के आंकड़ों से साफ है कि कई इलाकों की हवा जहरीली हो गई है। आनंद विहार में तो रविवार को एक्यूआई 435 दर्ज किया गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। वहीं, वजीरपुर में 365 तक पहुंच गया है। जबकि द्वारका सेक्टर 8 में 341 और बवाना में 303 के करीब पहुंचा है। इसके अलावा आईटीओ में एक्यूआई 285 के करीब है। यह प्रदूषण पराली जलाने, वाहनों और धूल से फैल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि दिल्लीवासियों को मास्क पहनना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार की सिफारिश पर दिवाली से पहले दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर लगे पूर्ण प्रतिबंध में ढील दी है। अब केवल ग्रीन पटाखों की बिक्री और उपयोग की अनुमति है। सुप्रीम कोर्ट में यह फैसला 15 अक्टूबर 2025 को आया था। कोर्ट ने इसे परीक्षण के तौर पर लिया है, ताकि त्योहार मनाया जा सके और प्रदूषण नियंत्रित रहे। बता दें कि ग्रीन पटाखे पर्यावरण अनुसंधान संस्थान और पेट्रोलियम सुरक्षा संगठन द्वारा प्रमाणित होते हैं। इनमें क्यूआर कोड होता है। इसकी बिक्री 18 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक सीमित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव से करेंगे विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत, पहली जनसभा 24 अक्टूबर को समस्तीपुर में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अक्टूबर से बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार का करेंगे आगाज़, बेगूसराय में भी करेंगे चुनावी सभा

- पीएम मोदी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी जनसभा को करेंगे संबोधित
- महागठबंधन में सीटों को लेकर सिर फुटव्वल- डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए के पांचों पांडव एकजुट, कौरव की सेना महागठबंधन में सिरफुटव्वल - डॉ. दिलीप जायसवाल
- महागठबंधन में टिकट को लेकर चल रहा पैसे का खेल- डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना

भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर से करेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी प्रचार अभियान का आगाज़ कर्पूरी गांव से करेंगे, जहां वे जननायक भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि देकर समस्तीपुर में पहली चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। डॉ. जायसवाल ने कहा कि इसके बाद वे उसी दिन बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी इसके बाद 30 अक्टूबर को बिहार के दौरे पर आएंगे और मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद उनका लगातार बिहार दौरा होगा। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विपक्षी दलों के गठबंधन महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उसमें सिर फुटव्वल चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर एनडीए के सभी पांचों पांडव एकजुट होकर सौहार्दपूर्ण तरीके से सीट बंटवारा कर चुनावी मैदान में उतर चुके हैं और कौरव की सेना महागठबंधन में सिरफुटव्वल हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता समझ रही है कि जब सीट बंटवारे में ही यह स्थिति आ सकती है तो ये सरकार क्या चलाएंगे। बिहार की जनता और मतदाता ने बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि यहां की जनता महागठबंधन के संस्कार और स्वभाव भी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में टिकट को लेकर जिस तरह पैसों का खेल हो रहा है, उसे भी बिहार की जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में टिकट को लेकर जिस तरह पैसों का खेल हो रहा है, उसे भी बिहार की जनता देख रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए विकास पर, गरीबों के कल्याण और महिला सशक्तीकरण पर विश्वास करती है। युवाओं के रोजगार और नौकरी की चिंता करती है। किसानों का कल्याण जिस तरह एनडीए सरकार कर रही है, वह अभूतपूर्व है। पीएम मोदी की गारंटी पर बिहार की जनता को विश्वास है। इस प्रस वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, सूरज पांडेय भी उपस्थित रहे।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को 13,603.20 करोड़ रुपये

एनडीआरएफ के तहत 15 राज्यों को 2,189.28 करोड़ रुपये जारी किए हैं

नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वर्ष 2025-26 के लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र को स्ष्ठत्रन्न में केन्द्रीय हिस्से की दूसरी किस्त के रूप में 1,950.80 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जारी करने की स्वीकृति दी है। 1,950.80 करोड़ रुपये की कुल राशि में से, कर्नाटक के लिए 384.40 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र के लिए 1,566.40 करोड़ रुपये इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत सहायता प्रदान करने के लिए स्वीकृत किए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, केन्द्र सरकार, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित राज्यों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रति पूरी तरह कटिबद्ध है।

इस वर्ष, केन्द्र सरकार पहले ही **SDRF** के तहत 27 राज्यों को 13,603.20 करोड़ रुपये और ह्ष्ठत्रन्न के तहत 15 राज्यों को 2,189.28 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। इसके अतिरिक्त, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (स्ष्ठरूस्न) से 21 राज्यों को 4,571.30 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (ह्ष्ठरूस्न) से 9 राज्यों को 372.09 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

केन्द्र सरकार ने बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित सभी राज्यों को आवश्यक ह्ष्ठत्रन्न टीमों, सेना और वायु सेना की तैनाती सहित सभी सहायता प्रदान की है। इस वर्ष मानसून के दौरान, बचाव और राहत कार्यों के लिए 30 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में **NDRF** की सर्वाधिक 199 टीमों की तैनाती की गई थी।

अमेरिका के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन

बीजिंग

न्यूयार्क, लॉस एंजेल्स, वाशिंगटन और शिकागो समेत कई अमेरिकी शहरों में 18 अक्टूबर को विरोध-प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने इमिग्रेंट्स पर हिंसक प्रहार, जबरन नेशनल गार्ड्स को शहरों में भेजने और सीमा शुल्क वृद्धि का विरोध किया।

आयोजकों का कहना है कि प्रदर्शनकारियों की संख्या लाखों से अधिक है। न्यूयार्क में एक लाख से अधिक लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। स्थानीय पुलिस ने कहा कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रूप से चला। इस दौरान किसी प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार नहीं किया गया।

इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले मैनहट्टन के नागरिक डेवी काबोनिया ने मीडिया को बताया कि अमेरिकी कृषि उत्पाद बाहर नहीं बेचे जा सकते और किसान दिवालिया हो रहे हैं।

वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थिति बहुत खराब है। कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में 25 हजार लोगों ने विरोध-प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने अमेरिकी सरकार की आव्रजन, स्वास्थ्य, शिक्षा व व्यापार नीतियों का विरोध किया। आयोजकों ने बताया कि अमेरिका के लाखों लोगों ने 2,700 से अधिक शहरों व कस्बों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया।

जहां कभी रामभक्तों पर गोलियां चली थीं, वहां हमने दीप जलाए- सीएम योगी

अयोध्या

अयोध्या में आज भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पर नगर में त्रेतायुग की तरह ही प्रभु श्रीराम का स्वागत सत्कार किया गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका राजतिलक किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि अब अयोध्या विकास और विरासत का प्रतीक बन चुकी है। जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दी जल रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब दुनिया भर के सनातन धर्मावलंबी अयोध्या आ रहे हैं। भारत के अलग-अलग कोनों से लोग रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं। आज अयोध्या में विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये वही उत्तर प्रदेश है जहां गरीबों के घर में शौचालय बन रहा है। लोगों को कोरोना काल से ही राशन का वितरण किया जा रहा है और अगर बीमार हो जाएं तो पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवर आयुष्मान योजना के रूप में दिया जा रहा है। प्रदेश में अब रामराज्य की स्थापना हो चुकी है। अब तैहिक, दैविक और भौतिक किसी भी तरह का दुख लोगों को नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है। पहले त्योहारों के समय दंगे होते थे। पहले लोग सोच नहीं सकते थे कि प्रदेश में शांति हो भी सकती है। आठ साल के बाद यूपी माफियाराज-गुंडाराज से मुक्त हो चुका है। अब प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। अब अपराधी भयभीत हैं। किसान खुशहाल हैं। युवाओं के लिए

अवसर हैं। महिलाएं सुरक्षित हैं। हर हृदय में उत्साह और उमंग है और जहां कभी गोलियां चली थीं वहां अब दीप प्रज्ज्वलित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या का ये दीपोत्सव 500 साल तक आस्था के संघर्ष की विजय का प्रतीक है। देश की आजादी के बाद हर भारतवासी के मन में था कि अब देश को सांस्कृतिक आजादी भी मिले लेकिन कुछ लोगों ने सनातनियों की आस्था को कैद करने का कुत्सित प्रयास किया पर आज भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं।

भारत 6.5 प्रतिशत विकास दर के जाल में फंसा

मनमोहन सिंह जैसा साहस दिखाने की जरूरत : चिदंबरम

नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने देश की आर्थिक विकास दर पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि भारत अब निम्न-मध्यम आय वर्ग के जाल में फंस गया है। उन्होंने रविवार को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि 6.5 प्रतिशत की विकास दर जश्न का कारण नहीं, बल्कि चेतावनी है कि देश ठहराव की स्थिति में है। चिदंबरम ने कहा कि मौजूदा सरकार के पास इससे बाहर निकलने का न कोई विचार है और न ही साहस।

पूर्व मंत्री चिदंबरम ने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय फिलहाल 2,650 अमेरिकी डॉलर है, जिसे दोगुना करने में वर्तमान दर से चलते हुए करीब नौ वर्ष लगेंगे। उन्होंने

लिखा, यह मनमोहन सिंह जैसा साहस दिखाने का समय है। चिदंबरम ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि सकल स्थायी पूंजी निर्माण 2007-08 में जीडीपी का 35.8 प्रतिशत था, जो 2024-25 में घटकर करीब 30 प्रतिशत रह गया है। वहीं निजी पूंजी निवेश भी 27.5 प्रतिशत से घटकर 23.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि निजी पूंजी के पलायन की वजह सरकार और उद्योग जगत के बीच विश्वास की कमी है।

उन्होंने यह भी कहा कि देश में शिक्षित बेरोजगारों की दर 29.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। चिदंबरम के मुताबिक, मौजूदा आर्थिक नीतियां भारत को आगे बढ़ाने के बजाय मध्यम आय के जाल में फंसा रही हैं, जिससे बाहर निकलने के लिए नीतिगत सुधार और साहसी नेतृत्व की आवश्यकता है।

चंद्रयान ने भेजी खुशखबरी

सूर्य और चंद्रमा के बीच के रिश्तों को खोजा

नई दिल्ली

दिवाली से पहले चंद्रयान ने भी खुशखबरी भेजी। इसरो के मुताबिक चंद्रयान-2 मिशन ने अपने वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से पहली बार पता लगाया कि सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का चंद्रमा पर क्या असर पड़ता है। सूर्य और चंद्रमा के बीच रिश्ते को लेकर यह बड़ी खोज मानी जा रही है। इसरो ने कहा कि इस जानकारी से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के बहुत पतले वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी। श्रीहरिकोटा से 22 जुलाई 2019 को जीएसएलवी-एमके3-एम1 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-2 में आठ वैज्ञानिक उपकरण थे और 20 अगस्त 2019 को चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था।इसरो की एक विज्ञप्ति के मुताबिक चंद्रयान-2 पर लगे उपकरणों में से एक 'चंद्राज एटमॉस्फेरिक कॉम्पोजिशनल एक्सप्लोरर-2' ने सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन का चंद्रमा के बाहरी वायुमंडल पर पड़ने वाला असर रिकॉर्ड किया है। सीएचएसीई-2 उपकरण का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के तटस्थ बाहरी वायुमंडल की संरचना, उसका विस्तार और उसमें होने वाले बदलावों का अध्ययन करना है। कोरोनल मास इजेक्शन सौरमंडल में वाले शक्तिशाली विस्फोट होते हैं। इस दौरान सूर्य हीलियम और हाइड्रोजन आयन छोड़ता है। चांद पर इसका काफी असह होता है। इसका कारण है चांद पर वायुमंडल नहीं है और यहां कोई बड़ा चुंबकीय क्षेत्र भी नहीं है। चंद्रयान के डेटा से पता चला है कि कोरनल मास इजेक्शन के चंद्रमा से टकराने के बाद यहां के पतले वायुमंडल पर दबाव एक हजार गुना बढ़ गया। चंद्रमा के पास बहुत पतला वायुमंडल है जिसे एक्सोस्फीयर कहते हैं। यहां गैस के अणु मौजूद हैं। यह चंद्रमा की सतह से सटा हुआ है इसलिए इसे सतह सीमा एक्सोस्फीयर कहते हैं। उल्कापिंडों के टकराने या फिर सूर्य की किरणों और सौर हवा से यह एक्सोस्फीयर बनता है।!

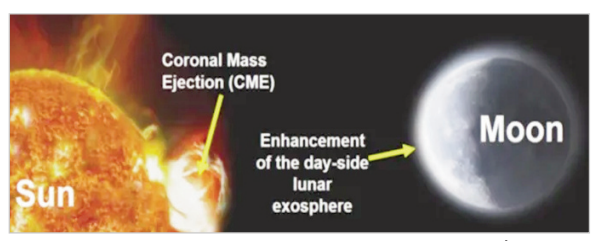

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

(लेखक - ललित गर्ग)

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक 'उज्ज्वलता' ही सच्ची 'धन्यता' है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, 卐सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने।卐 यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं- मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए।

ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-卐दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।卐 जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया।

संपादकीय

आवश्यक सुधारों से ही आर्थिकी को गति

जिस अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर पश्चिमी शक्तियों के मंसूबों के अनुरूप सुर में सुर मिलाने का आक्षेप लगता रहा है, यदि वह अब भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर दर्शाए तो इसे हम अपनी आर्थिकी की ताकत के रूप में देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने वर्ष 2025-26 के लिये भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 कर दिया है। इस नवीनतम अपडेट से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश की स्थिति और मजबूत हुई है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह संशोधन लचीली घरेलू खपत, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर सार्वजनिक निवेश के दृष्टिगत किया है। यह सुखद ही कहा जाएगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने और भारी-भरकम टैरिफ का कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर नहीं होता है। लेकिन इस आशावाद के बावजूद हमें अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य की वास्तविकता का भी ध्यान रखना चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार, राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के साथ, भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह, इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की भी होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सतर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी आत्मसंतुष्टि इस लाभ को कम सकती है।

दिवाली - हिन्दू सिख एकता का प्रतीक

(लेखक - संजय गोस्वामी)

सिखों व हिंदू की दिवाली एक साथ मनाई जाती है लेकिन यह बंदी छोड़ दिवस कहलाती है और इसे हिंदू दिवाली के साथ या एक ही दिन मनाया जाता है।छठे सिख , गुरु हरगोबिंद साहिब से जुड़ा है, जिन्होंने 52 हिंदू राजाओं को मुगल सम्राट जहाँगीर द्वारा ग्वालियर किले से रिहा कराया था यह दिन गुरु हरगोबिंद साहिब की 1619 में मुगल शासक जँहागिर के शासन में ग्वालियर की कैद से रिहाई की याद में मनाया जाता है, और इसे दिवाली 2025 के दौरान 21 अक्टूबर को ही मनाया जायेगा । यह घटना 1619 में हुई थी, जब गुरु हरगोबिंद को 52 राजाओं के साथ बंदी बनाया गया था। गुरु ने अपनी बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए एक विशेष लबादा बनवाया, जिसकी 52 लटकनों को पकड़कर सभी राजा बाहर निकले और यह दिन मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। अवसर- बंदी छोड़ दिवस, जिसका अर्थ है मुक्ति दिवस, गुरु हरगोबिंद साहिब जी की रिहाई का जश्न मनाता है। परंपरा के अनुसार, गुरु ने 52 हिंदू राजाओं को भी छुड़ाया था जो उनके साथ कैद थे। प्रथाएं- इस दिन सिख घरों और गुरुद्वारों को रोशन करते हैं। वे गुरुद्वारे जाते हैं, गुरुबानी और कीर्तन सुनते हैं, और परिवार और दोस्तों के साथ उपहारों और दावतों का आदान-प्रदान करते हैं। महत्व- यह दिन सिख धर्म में एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है और इसे हिंदुओं के साथ दिवाली के रूप में भी मनाया जाता है। अमृतसर और दिवाली- जब गुरु हरगोबिंद अमृतसर पहुँचे, तो संयोग से उसी दिन दिवाली थी। लोगों ने गुरु का स्वागत शहर को रोशन करके किया, जो दिवाली की खुशी में एक अतिरिक्त आनंद जुड़ गया। सिख पवित्र गुरुद्वारा शेर शिकार, (बाघ शिकार गुरुद्वारा), भारत के राजस्थान के धौलपुर में मचकुंड में स्थित है। यह गुरुद्वारा छठे गुरु, श्री गुरु हरगोबिंद की यात्रा और पौराणिक शिकार में उनकी भूमिका से जुड़ा है। (कुछ लोग इस कहानी को बाघ के रूप में और कुछ लोग शेर के रूप में सुनाते हैं)। जैसे ही शेर का शिकार दल जंगल में आगे बढ़ा, तनाव तब बढ़ गया जब शेर ने अप्रत्याशित रूप से सम्राट जहाँगीर पर झपट्टा मारा। सम्राट और उनके सैनिकों ने घबराहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपनी रक्षा के लिए गोलियाँ और तीर चलाए। हालाँकि, उनके प्रयास व्यर्थ साबित हुए क्योंकि शेर अपने आसपास के शोरगुल से विचलित हुए बिना आगे बढ़ता रहा। संकट के इस महत्वपूर्ण क्षण में, गुरु हरगोबिंद की वीरता प्रकट हुई। अद्भुत साहस का परिचय देते हुए, उन्होंने तेजी से अपने घोड़े से उतरकर खुद को शेर और सम्राट जहाँगीर के बीच खड़ा कर लिया। गुरु हरगोबिंद का निस्वार्थ रक्षा कार्य न केवल शेर के विरुद्ध एक भौतिक अवरोध था, बल्कि उनके नैतिक विश्वास का एक शक्तिशाली प्रमाण भी था। अडिग संकल्प के साथ, उन्होंने शेर को संबोधित करते हुए कहा- ऐ काले यमन पहलन तून वार कर लाए बच्चे तेरे मन दी इच्छा बाकी न रह जाए। इसका अर्थ है, हे काल यमन, पहले मुझ पर आक्रमण कर, ताकि तेरे मन में आक्रमण करने की कोई इच्छा न रहे। यह क्षण सिख इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो गुरु हरगोबिंद की निडरता और दूसरों की रक्षा के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, यहाँ तक कि अपनी जान जोखिम में डालकर भी। उनके कार्य बलिदान, वीरता और नेतृत्व के उन सिद्धांतों का उदाहरण हैं जो सिख शिक्षाओं के मूल हैं। यह घटना न केवल गुरु के शारीरिक पराक्रम को दर्शाती है, बल्कि एक रक्षक और योद्धा के रूप में उनकी विरासत को भी पुख्ता करती है, जिसने उनके समय की घटनाओं को प्रभावित किया और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। शेर का आक्रमण- गुरु हरगोबिंद पर शेर का आक्रमण एक नाटकीय और निर्णायक क्षण है जो उनकी वीरता और आध्यात्मिक प्रभुत्व, दोनों को दर्शाता है। जब शेर गुरु पर भयंकर रूप से झपटा, तो खतरे से भरा एक गहन दृश्य उत्पन्न हो गया। गुरु हरगोबिंद ने त्वरित और फुर्तीली प्रतिक्रिया में, अपने बाएँ हाथ से ढाल उठाई और दाएँ हाथ से तलवार चलाई। अद्भुत कौशल के साथ, उन्होंने एक ही, सहज गति से शेर पर वार किया। यह क्रिया केवल युद्ध कौशल का प्रदर्शन नहीं है; यह गुरु की आध्यात्मिक शक्ति और नैतिक साहस का प्रतीक है, जो सिख दर्शन के मूल में निहित सुरक्षा और निस्वार्थता के मूल्यों का प्रतीक है। जब शेर को नीचे गिराया गया, तो सम्राट जहाँगीर और उसके सैनिकों की प्रतिक्रिया उल्लेखनीय है। जहाँ सैनिक डर के मारे पीछे हट गए, वहीं गुरु अपनी जगह पर डटे रहे, जिससे आसन्न खतरे के बावजूद दूसरों की निडर रक्षा का उनका उदाहरण सामने आया। इस क्षण ने न केवल गुरु हरगोबिंद की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया, बल्कि मचकुंड को सिख भक्तों के एक संप्रदाय, उदासी के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल में बदल दिया। इस घटना के बाद, उदासी ने मचकुंड में आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्न होना शुरू कर दिया, जिससे यह कुछ समय के लिए धार्मिक और सामुदायिक समारोहों का केंद्र बन गया। इस घटना के बाद, सम्राट जहाँगीर ने गुरु हरगोबिंद के महत्व को पहचाना और उन्हें राज्य भर में अपने शाही दौरों में अक्सर अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित किया। इसने दोनों के बीच एक जटिल रिश्ते की शुरुआत को चिह्नित किया। हालाँकि, चंदू शाह के आगमन के साथ, जिन्होंने पाँचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन की शहादत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, कहानी एक और भी गहरा मोड़ लेती है। गुरु हरगोबिंद के प्रति चंदू शाह के दुर्भावनापूर्ण इरादे राजनीतिक साज़िश और खतरे के उद्भव का संकेत देते हैं जो विश्वासघात के सामने गुरु के लचीलेपन और अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता की परीक्षा लेंगे। आगरा में एक कठिन दौर के दौरान, सम्राट जहाँगीर एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हुए, जिसके कारण उनके निजी चिकित्सा सहायक प्रभावी उपचार प्रदान करने में असमर्थ हो गए। हताश होकर, उन्होंने चंदू साह के कहने पर ज्योतिषियों से परामर्श करके उपचार की एक अधिक पारंपरिक पद्धति का सहारा लिया, जो प्राचीन भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ताने-बाने में निहित एक प्रथा थी। इन ज्योतिषियों ने जहाँगीर की बीमारी की व्याख्या ग्रहों नामक खगोलीय पिंडों के संरेखण से की, जिनके बारे में माना जाता था कि वे मानव मामलों और स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव डालते हैं और उन्होंने सलाह दिया की सिखों के 6वें गुरु हरगोबिंद को ग्वालियर किले के जेल में भेजा जाए तभी जहाँगीर के कहने पर गुरु हरगोबिंद की सम्राट जहाँगीर के साथ ग्वालियर की यात्रा के दौरान की ऐतिहासिक कहानी 4 मार्च, 1612 को मचकुंड पहुँचने पर घटी एक महत्वपूर्ण और नाटकीय घटना से चिह्नित है। जब वे पास के भामतीपुरा गाँव में बस गए, तो स्थानीय निवासियों ने एक क्रूर शेर के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की जो समुदाय को परेशान कर रहा था।

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

चिंतन मनन

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्टियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्टियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है।

तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए।

जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नज़र फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

विचार मंथन

सोवरेन गोल्ड बॉन्ड, सरकार के गले का फंदा

(लेखक- सनत जैन)

- सोने के दाम 3 गुना बढ़े, सरकार पसीना-पसीना

मोदी सरकार ने सोवरेन गोल्ड बांड के नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना 2015 में शुरू की थी। सोवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम (एसजीबी) का उद्देश्य था, जनता को प्रत्यक्ष सोने की खरीद से रोकना और उन्हें 卐पेपर गोल्ड卐 यानी सोने के स्थान पर सोने के सरकारी बॉन्ड में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सरकार का तर्क था, इससे न केवल देश की विदेशी मुद्रा का भंडार बचेगा, बल्कि सोने के आयात पर भारत की निर्भरता भी कम होगी। आज, वही स्कीम सरकार के गले का फंदा बन चुकी है। सरकार ने सोचा भी नहीं था, उसे गोल्ड बॉन्ड के रूप में इस तरह के दिन देखने पड़ेंगे। सरकार ने निवेशकों को सोवरेन गोल्ड बॉन्ड का भरोसा दिलाते हुए कहा था, गोल्ड बॉन्ड लेने पर सालाना 2.5 प्रतिशत ब्याज के साथ बांड की अवधि पूरे होने पर सोने की बाजार कीमत का लाभ जोड़कर भुगतान किया जाएगा। जब योजना शुरू हुई थी, उस वक्त 2015 में सोना लगभग 35,000 रूपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोने की कीमत 1.3 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच चुकी है। 2015 से 2024 तक सरकार हर साल बांड निकालती रही। बड़े पैमाने पर निवेशक गोल्ड बांड मे निवेश करते चले जा रहे थे। बाँड को खरीदते समय सोने की जो कीमत थी सरकार को निवेशक को उतनी ही मूल्य के सोने की राशि को वापस करना है। सरकार ने पिछले 9 वर्ष में हर साल बांड बेचे। उसके एवज में सरकार ने सोना सरकारी खजाने के लिए नहीं खरीदा। अब भुगतान के लिए सोने की वर्तमान कीमत पर सरकार को भुगतान करना पड़ रहा है। सरकार के खजाने से हर साल एक बहुत बड़ी राशि गोल्ड बांड के निवेशकों को भुगतान करना पड़ रही है। सरकार जिसको बेहतर स्कीम एवं 'सस्ता सौदा' मान रही थी, वही बांड अब सरकार के खजाने की कमर तोड़ रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के आंकड़े बताते हैं, अभी तक जारी गोल्ड बॉन्ड्स में सोने की कुल मात्रा 126 टन सोने के बराबर है। जिसकी मौजूदा बाजार में कीमत लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इस सोने की राशि के साथ सरकार को हर साल करीब 3,700 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों को चुकाने पड़ रहे हैं। यह पूरी राशि केंद्र सरकार के ऊपर बजट की लायबिलिटी बन गई है। सरकार ने इसे बजट में शामिल नहीं किया था, जिसके कारण सरकार की मुसीबत और भी बढ़ गई है। सरकार को अब टैक्स के रूप में वसूल की गई राशि में से गोल्ड बॉन्ड का भुगतान करना पड़ेगा। जिस तरह से सरकार के ऊपर आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऐसे समय पर सरकारी खजाने के ऊपर इतना बड़ा बोझ सरकार की मुश्किलों को बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार की समस्या ब्याज से नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की अप्रत्याशित मूल्य वृद्धि से हुई है। सरकार ने यह अनुमान नहीं लगाया था। सोने की कीमत में दस वर्षों में तीन गुना से ज्यादा की वृद्धि हो जाएगी। जैसे-जैसे बॉन्ड्स की मियाद पूरी हो रही है, सरकार को भारी-भरकम भुगतान निवेशकों को करना पड़ रहा है। आने वाले वर्षों में जिस तरह से सोने की कीमतें बढ़ेंगी निवेशकों को उसी अनुपात में भुगतान करना पड़ेगा। जिसके कारण आने वाले सालों में भी सरकार की परेशानी कम होने के स्थान पर बढ़ने वाली है। हालांकि केंद्र सरकार ने 2024 में इस योजना को खामोशी के साथ बंद कर दिया है।

गोल्ड बॉन्ड योजना में जितना निवेश हुआ था, उसी में सरकार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह एक ऐसी योजना थी, जो सोने के आयात को घटाने और जनता को सोने का वैकल्पिक निवेश देने की योजना बनाई गई थी। जो पूरी तरह से विफल साबित हुई है। ऐसा लगता है कि सरकार ने इस बारे में भविष्य को ध्यान में रखते हुए सोच-विचार नहीं किया था। वित्त मंत्रालय के लिए गोल्ड बॉन्ड योजना अब भारी सिरदर्द बन चुकी है। सच्चाई यह है, 'पेपर गोल्ड' का यह सपना निवेशकों के लिए काफी बेहतर साबित हुआ है। सरकार को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। सरकार को क्या कहें, यह जनता से टैक्स के रूप में वसूल की गई राशि से भुगतान किया जा रहा है। जिसके कारण भविष्य में और भी टैक्स बढ़ाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, यह योजना सरकार की दूरदर्शिता मे कमी और गलत वित्तीय आकलन का नतीजा है। जिस योजना से देश को लाभ होना था, वही अब जनता के लिए टैक्स पर बोझ बन गई है। उस समय यदि सोना आयात किया जाता। निवेशक स्वयं की पूंजी से सोना आयात करते, भारत में सोने का एक बड़ा भंडार आम जनता के पास होता। इस योजना से सरकार को दोहरा नुकसान हुआ है। गोल्ड बॉन्ड स्कीम से सरकार को सबक लेना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईओबी करेगा विस्तार, जल्द होगी 1,100 नई नियुक्तियां

नई दिल्ली इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि बैंक का प्रदर्शन बीते ढाई वर्षों में लगातार बेहतर हुआ है। इस दौरान बैंक ने 85 लाख नए चालू और बचत खाते खोले हैं, जिनमें 24,000 करोड़ रुपए की जमा राशि है। इनमें से 95 फीसदी खाते बचत खाते हैं, जिस पर ब्याज खर्च कम होता है। 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में आईओबी का शुद्ध लाभ 57.79 फीसदी बढ़कर 1,226 करोड़ तक पहुंच गया। वहीं, बैंक की सकल एनपीए दर घटकर 1.83 फीसदी रह गई, जो पिछले वर्ष इसी तिमाही में 2.72 फीसदी थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय 20.53 फीसदी बढ़कर 3,059 करोड़ रुपए रही और कुल कर्ज में 20.79 फीसदी की वृद्धि हुई। बैंक अब तेजी से देशभर में विस्तार कर रहा है। अगले 6-8 महीनों में 234 नई शाखाएं बिहार, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में खोली जाएंगी। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष में 1,100 नई नियुक्तियां की जा रही हैं, जिनमें से लगभग आधे लोग पहले ही शामिल हो चुके हैं।

अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में किया 6,480 करोड़ का निवेश

लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों ने फिर दिखाया भरोसा

नई दिल्ली लगातार तीन महीने तक भारतीय शेयर बाजार से पूंजी निकालने के बाद, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर 2025 में फिर से वापसी की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस माह अब तक भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 6,480 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआई ने जुलाई में 17,700 करोड़ रुपए, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपए और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपए की निकासी की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भारत की मजबूत वृहद आर्थिक स्थिति के कारण आया है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव के अनुसार, भारत में स्थिर विकास दर, नियंत्रण में मुद्रास्फीति और मजबूत घरेलू मांग जैसे कारकों ने निवेशकों का विश्वास फिर से बहाल किया है। साथ ही, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं और वैश्विक तरलता में सुधार ने भी एफपीआई की धारणा को सकारात्मक किया है।

अक्टूबर में आईपीओ की धूमःएलजी ने किया धमाका

नई दिल्ली अक्टूबर का महीना शेयर बाजार के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं रहा। इस दौरान कई बहुप्रतीक्षित आईपीओ ने बाजार में दस्तक दी और निवेशकों की नजरें इन पर टिकी रहीं। खासकर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, टाटा कैपिटल और वीवर्क इंडिया के आईपीओ ने चर्चा बटोरी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने बाजार में 50 फीसदी के प्रीमियम के साथ धमाकेदार एंट्री की। 1,140 रुपए की इश्यू प्राइस के मुकाबले एनएसई पर यह 1,710 पर लिस्ट हुआ। हालांकि शुरुआती जोश के बाद शेयर गिरकर 1,627 रुपए तक आ गया, और फिलहाल 1,668 रुपए पर ट्रेड कर रहा है, यानी लिस्टिंग प्राइस से करीब 2 फीसद नीचे। टा ग्रुप की टाटा कैपिटल का आईपीओ निवेशकों में भरोसे के चलते सुर्खियों में रहा, लेकिन लिस्टिंग प्रीमियम सिर्फ 1.23 फीसदी रहा। एनएसई पर यह 330 रूपए पर लिस्ट हुआ और फिलहाल करीब 335 रूपए पर कारोबार कर रहा है। यह कंपनी विविध वित्तीय सेवाएं देती है और लॉन्ग टर्म निवेश के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वहीं, वीवर्क इंडिया का प्रदर्शन अपेक्षाकृत शांत रहा। 644.85 की लिस्टिंग के बाद शेयर 621 रुपए तक गिरा और अब 643 रुपए पर स्थिर है। को-वर्किंग स्पेस और हाइब्रिड ऑफिस मॉडल पर काम करने वाली इस कंपनी में लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावनाएं देखी जा रही हैं।

आरबीएल बैंक में यूएई के एमिरेट्स एनबीडी ने किया 26,850 करोड़ का निवेश

अब तक की सबसे बड़ी विदेशी बैंकिंग डील

नई दिल्ली

भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी विदेशी डील होने जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े बैंक एमिरेट्स एनबीडी ने आरबीएल बैंक में लगभग 26,850 करोड़ रुपए (3 अरब डॉलर) निवेश कर 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है।

यह निवेश 280 रुपए प्रति शेयर के भाव से किया जाएगा। यह सौदा प्रेफरेंशियल इश्यू के माध्यम से पूरा किया जाएगा, जिसके बाद एमिरेट्स एनबीडी शेष भारतीय शेयरधारकों से 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य ओपन ऑफर लाएगा। इस डील को आरबीएल बैंक और एमिरेट्स एनबीडी दोनों के निदेशक मंडलों ने मंजूरी दे दी है। हालांकि, अंतिम रूप से यह डील भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, शेयरधारकों और अन्य नियामकीय संस्थाओं की मंजूरी पर निर्भर करेगी। आरबीएल बैंक ने इस सौदे को लेकर 12 नवंबर 2025 को एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग बुलाई है।

बैंक को उम्मीद है कि सभी मंजूरियाँ मिलने के बाद यह डील 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

इस समझौते के तहत भारत में एमिरेट्स एनबीडी की मौजूदा शाखाओं का आरबीएल बैंक में विलय किया जाएगा।

इससे आरबीएल का कैपिटल बेस मजबूत होगा, लोन देने की क्षमता बढ़ेगी और दीर्घकालिक विकास योजनाओं को समर्थन मिलेगा।

एनसीएलटी ने टीवीएस की दिवाला याचिका खारिज की

नई दिल्ली राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस द्वारा दूरसंचार उपकरण निर्माता जीटीई टेलीकॉम इंडिया के खिलाफ दायर दिवाला याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 9 के तहत 4.27 करोड़ रुपए की बकाया राशि को लेकर दायर की गई थी। एनसीएलटी के सदस्य की पीठ ने कहा कि यह मामला पहले से विवादित था, और दोनों पक्ष 2017 से ही सुलह प्रक्रिया में शामिल थे। ऐसे में यह याचिका आईबीसी के तहत स्वीकार्य नहीं है। टीवीएस सप्लाई चेन, जो पहले टीवीएस लॉजिस्टिक्स सर्विसेज के नाम से जानी जाती थी, ने जीटीई पर आरोप लगाया था कि कंपनी ने 2012 से 2019 के बीच जारी कई इनवॉइस का आंशिक या देर से भुगतान किया। आरोप था कि जीटीई भुगतान में देरी के लिए चालानों में खामियों का बहाना बनाती रही। जीटीई ने 2018 में टीवीएस को पत्र भेजकर 5.60 करोड़ रुपए की विसंगतियों का दावा किया था, हालांकि कोई सहायक दस्तावेज नहीं दिए गए। एनसीएलटी ने इस पत्राचार को पूर्व से चला आ रहा विवाद मानते हुए कहा कि आईबीसी की धारा 9 तभी लागू होती है जब दावा निर्विवाद हो।

धनतेरस 2025: भारत में रिकॉर्ड चांदी खरीद, वैश्विक बाजार में मची हलचल

देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी के स्टॉक खाली, लंदन में भी चांदी की भारी किल्लत

नई दिल्ली इस बार दिवाली और धनतेरस पर भारत में चांदी की अभूतपूर्व खरीदारी हुई, जिससे देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी पहली बार स्टॉक से खाली हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा` कि उन्होंने अपने 27 साल के करियर में ऐसी खरीदारी पहले भी नहीं देखी। बाजार में भारी डिमांड के चलते सप्लाई बाधित हो गई है। भारत की इस जबरदस्त मांग का असर लंदन जैसे वैश्विक बाजारों पर भी पड़ा। वहां कई बैंकों ने ग्राहकों को चांदी की कीमत बताना तक बंद कर दिया, क्योंकि स्टॉक खत्म हो चुका था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति पिछले 45 वर्षों में सबसे गंभीर चांदी संकटों में से एक मानी जा रही है। चांदी की मांग बढ़ने के पीछे कई कारक बताए जा रहे हैं- जैसे पहला, सोशल मीडिया पर इसे अगला गोल्ड कहा जाने लगा, दूसरा सोने-चांदी का अनुपात 100ः1 पहुंच गया, जिससे निवेशकों ने सस्ता विकल्प चुना, तीसरा सोलर इंडस्ट्री में चांदी की खपत तेजी से बढ़ रही है और चौथा डॉलर की कमजोरी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया। लंदन वेयरहाउस में अब केवल 150 मिलियन औंस चांदी बची है, जबकि रोजाना का व्यापार करीब 250 मिलियन औंस है। अमेरिका और चीन में ईटीएफ और इंडस्ट्री की भारी खरीदारी से संकट और गहरा गया। हालांकि, न्यूयॉर्क के कॉमेक्स वेयरहाउस से 20 मिलियन औंस चांदी निकाले जाने के बाद कीमतों में 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

दिवाली सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे 5 बड़े फैक्टर

मुंबई

दिवाली के त्योहार के चलते आने वाला सप्ताह ट्रेडिंग के लिहाज से छोटा रहेगा। 21 और 22 अक्टूबर को बाजार बंद रहेगा, जबकि 21 तारीख को 1:45 बजे से 2-45 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग होगी।

इसके बावजूद बाजार का मूड पॉजिटिव बना हुआ है और तेजी जारी रहने की उम्मीद है। अगले सप्ताह कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे सामने आएंगे, जो निवेशकों के लिए अहम संकेत होंगे। अगर ये रिजल्ट्स उम्मीदों से बेहतर आते हैं, तो बाजार में तेजी और मजबूती आएगी। विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार तीसरे दिन भारत के शेयरों के नेट खरीदार बने हुए हैं। निफ्टी की अर्निंग्स में लगभग 8 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है, जो विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर सकता है।

रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूती दिखा रहा है, जो निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है और बाजार में सकारात्मकता लाता है।

अमेरिका के महंगाई आंकड़े बाजार की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। यदि मुद्रास्फीति नियंत्रित रहती है, तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है, जिससे भारतीय बाजार को फायदा होगा।

भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार बातचीत सकारात्मक माहौल में है।

अगर कोई ठोस समझौता होता है, तो यह सेंसेक्स और निफ्टी के लिए नई ऊंचाईयां तय कर सकता है।

धनतेरस पर कार बाजार में बंपर सेल, मारुति और हुंडई की रिकॉर्ड डिलीवरी

जीएसटी 2.0 की राहत और त्योहारों के जोश से ऑटो सेक्टर में आई नई रफ्तार

नई दिल्ली

धनतेरस 2025 ने देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस शुभ अवसर पर देश की दो प्रमुख कार कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया और हुंडई मोटर इंडिया ने जबरदस्त बिक्री दर्ज की। ग्राहक उत्साह, बाजार में सकारात्मक माहौल और सरकार की ओर से जीएसटी 2.0 के तहत टैक्स राहत जैसे कारकों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। मारुति सुजुकी ने पहली बार धनतेरस पर 50,000 गाड़ियों की डिलीवरी का रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी के मार्केटिंग एंड सेल्स हेड के अनुसार, शनिवार शाम 6 बजे तक ही 38,500 गाड़ियां डिलीवर हो चुकी थीं और रविवार को 10,000 और डिलीवरी होने का अनुमान है। पिछले वर्ष दो दिन में 42,000 गाड़ियों की डिलीवरी हुई थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा पार कर लिया गया। बनर्जी ने बताया कि पिछले एक महीने में कंपनी को 4.5 लाख बुकिंग्स मिलीं और 3.25 लाख गाड़ियां बिक चुकी हैं। छोटी गाड़ियों की मांग भी बनी रही, जिनमें से 94,000 यूनिट् की बिक्री हुई है। कंपनी के शोरूम पर भारी भीड़ देखी गई और पूजा के लिए पंडितों तक को बुलाया गया ताकि ग्राहक शुभ समय पर गाड़ी ले सकें। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 14,000 गाड़ियों की डिलीवरी की, जो पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह डिलीवरी कई दिनों में फैली है, जिससे हर ग्राहक को बेहतर अनुभव मिल सके। धनतेरस की इस बंपर बिक्री से स्पष्ट है कि त्योहारी मौसम और सरकारी नीतियां मिलकर ऑटो इंडस्ट्री को नई रफ्तार दे रही हैं। आने वाले महीनों में यह गति और भी तेज हो सकती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 2.16 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

टीसीएस, इन्फोसिस और एलआईसी को नुकसान

नई दिल्ली

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला, जिससे बीएसई सेंसेक्स 1,451.37 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसका असर देश की प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पर भी पड़ा। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों के कुल बाजार मूल्यांकन में 2,16,544.29 करोड़ रुपए की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल को हुआ। रिलायंस का बाजार मूल्यांकन 47,363.65 करोड़ रुपए बढ़कर 19,17,483.71 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, भारती एयरटेल ने 41,254.73 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 11,47,235.08 करोड़ रुपए का पूंजीकरण हासिल किया। एचडीएफसी बैंक के मूल्य में 33,185.59 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई और इसका कुल बाजार पूंजीकरण 15,40,210.78 करोड़ पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक 40,123.88 करोड़ की बढ़त के साथ 10,26,491.35 करोड़ पर पहुंचा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,903.45 करोड़ बढ़कर 6,65,899.19 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 17,774.65 करोड़ की वृद्धि हुई और भारतीय स्टेट बैंक ने 7,938.34 करोड़ रुपए जोड़े। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)को नुकसान उठाना पड़ा। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 30,306.35 करोड़ घटकर 5,98,773.87 करोड़ रह

गया। टीसीएस में 23,807.01 करोड़ और एलआईसी में 7,684.87 करोडि रुपए की गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस और अन्य कंपनियां हैं।

इटली के मिलान शहर से दिल्ली की एयर इंडिया फ्लाइट रद्द

दिवाली से पहले भारतीय यात्रियों की यात्रा प्रभावित

नई दिल्ली इटली के मिलान शहर से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई138 को हाल ही में तकनीकी खराबी के चलते अचानक रद्द कर दिया गया। यह फ्लाइट दिवाली से ठीक पहले भारत लौटने वाले सैकड़ों भारतीय यात्रियों के लिए अहम थी। तकनीकी दिक्कत के कारण विमान उड़ान भरने में असमर्थ रहा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। एयर इंडिया ने बताया कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया। एयर इंडिया ने रद्द उड़ान के यात्रियों के लिए अस्थायी होटल और भोजन की व्यवस्था की है। कई यात्रियों को हवाई अड्डे के बाहर भी ठहराया गया है ताकि उन्हें अधिक असुविधा न हो। एयरलाइन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। एयर इंडिया ने 20 अक्टूबर से वैकल्पिक उड़ानों की बुकिंग शुरू कर दी है। सीटों की उपलब्धता के आधार पर सभी यात्रियों को जल्द से जल्द भारत भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

वित्त वर्ष 2030 तक 45,000 करोड़ का निवेश करेगी हुंडई इंडिया

नई दिल्ली

ऑटो कंपनी हुंडई मोटर भारत में अपने लंबी अवधि के रोडमैप के तहत वित्त वर्ष 2030 तक 45,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। हुंडई मोटर ने घोषणा की कि कंपनी का लक्ष्य भारत को वैश्विक स्तर पर अपना दूसरा सबसे बड़ा बाजार बनाना है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य नए प्रोडक्ट लॉन्च, क्षमता विस्तार और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) को सपोर्ट करना होगा। हुंडई मोटर कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ जोस मुनोज ने एचएमआईएल के पहले इन्वेस्टर डे में कहा कि पिछले साल के ऐतिहासिक आईपीओ और भारत में 30 वर्षों की सफलता के बाद, कंपनी अब अगले चरण के विकास के लिए यह बड़ा निवेश कर रही है।

मुनोज के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत निवेश उत्पाद विकास और आर एंड डी में लगाया जाएगा, जबकि बाकी 40 प्रतिशत क्षमता विस्तार और अपग्रेडेशन पर खर्च किया जाएगा।

कंपनी ने यह भी लक्ष्य रखा है कि कुल उत्पादन का 30 प्रतिशत निर्यात किया जाएगा। अपने 2030 रोडमैप के तहत, हुंडई 26 नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिनमें 7 नए नाम शामिल होंगे। कंपनी एमपीवी और ऑफ-रोड एसयूवी सेगमेंट में प्रवेश करेगी और 2027 तक अपनी पहली स्थानीय रूप से डिजाइन और निर्मित इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, 2027 तक हुंडई का

लग्जरी ब्रांड जेनेसिस भी भारत में पेश किया जाएगा। हुंडई का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 तक अपने राजस्व को 1.5 गुना बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपए तक ले जाना और घरेलू बाजार में 15 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

मारुति और टाटा की कारों की बिक्री में आया भारी उछाल

नई दिल्ली

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा छोटी कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने के बाद इनकी बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। जीएसटी में कटौती के बाद छोटी कारें एक बार फिर आम ग्राहकों की पहुंच में आ गई हैं। नतीजा यह हुआ कि मारुति सुजुकी, जो इस सेगमेंट की मार्केट लीडर है, ने सिर्फ चार हफ्तों में करीब 4 लाख बुकिंग्स दर्ज की हैं।

इनमें से लगभग 80,000 बुकिंग्स ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसी छोटी कारों की हैं। इससे यह साफ हो गया कि लोगों का इन कारों से मोहभंग नहीं हुआ था, बल्कि ऊंची कीमतों ने ही उन्हें दूरी बना ली थी। मारुति के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सेल्स एंड मार्केटिंग) पार्थो बनर्जी के मुताबिक, हमने देखा है कि अब शोरूम में कई खरीदार हेलमेट के साथ पहुंच रहे हैं। यह संकेत है कि दोपहिया वाहन चलाने वाले ग्राहक अब अपनी पहली कार खरीदने आ रहे हैं। छोटे कार सेगमेंट में यह नए खरीदारों की लहर बाजार को नई जान दे रही है। उन्होंने बताया कि जीएसटी 2.0 से पहले जहां एंट्री-लेवल मॉडलों की हिस्सेदारी 16.7 प्रतिशत थी, अब यह बढ़कर 22.2प्रतिशत हो गई है। टाटा मोटर्स ने भी त्योहारी सीजन में शानदार बिक्री दर्ज की है। कंपनी के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अमित कामत के अनुसार, हमारी हैचबैक कारें टियागो और अल्ट्रोज की बुकिंग्स इस साल पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक रही हैं। ग्राहक न सिर्फ बुकिंग कर रहे हैं, बल्कि तेजी से डिलीवरी भी ले रहे हैं। जीएसटी में कटौती का यह कदम अब भारतीय ऑटो बाजार में फिर से छोटे कारों का दौर लौटाता दिख रहा है। जहां पहले एंट्री-लेवल कारें महंगी होकर आम लोगों की पहुंच से बाहर हो रही थी।

बहुप्रतीक्षित अपाचे आरटीएक्स 300 को भारत में लॉन्च

नईदिल्ली

बाइक निर्माण क्षेत्र की कंपनी टीवीएस ने अपनी बहुप्रतीक्षित अपाचे आरटीएक्स 300 को भारत में लॉन्च कर दिया है। इस लॉन्च के साथ, टीवीएस अब एडवेंचर टूरर सेगमेंट में भी कदम रख चुकी है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.99 लाख रुपए रखी गई है। नई अपाचे आरटीएक्स ब्रांड के नए प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसका मुकाबला केटीएम 250 एडवेंचर, येज्दी एडवेंचर और रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 440 जैसे मॉडल से होगा। अपाचे आरटीएक्स 300 में 299सीसी, लिक्विड-ऑयल कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर आरटी-एक्सडी4 इंजन लगाया गया है, जो 9,000 आरपीएम पर 35.5 एचपी और 7,000 आरपीएम पर 28.5 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है। पावर मिल को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ बाई-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर, असिस्ट और स्लिपर क्लच से जोड़ा गया है। बाइक की स्टील ट्रेलिस फ्रेम और एल्युमीनियम डाईकास्ट स्विंगआर्म इसे मजबूत और स्थिर बनाते हैं। बड़ा फ्यूल टैंक, साइड फेंडर और पारदर्शी विंडस्क्रीन इसे भारी और एडवेंचर-योग्य लुक देते हैं। आगे की तरफ आंख के आकार वाले एलईडी हेडलैंप, एलईडी टर्न इंडिकेटर्स और चोंच जैसे प्रोजेक्शन इसे आक्रामक लुक देते हैं। रियर में स्प्लिट सीट और अलग लगेज रैक लंबी यात्राओं के लिए उपयुक्त हैं। टीवीएस अपाचे आरटीएक्स 300 में फुल-कलर टीएफटी डिस्प्ले है जो स्पीड, कॉल और एसएमएस अलर्ट, मैप मिररिंग और गोप्रो कंट्रोल जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इसमें चार राइड मोड्स टूर, रैली, अर्बन और रेन और सुरक्षा के लिए एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल और टीपीएसएम फीचर्स दिए गए हैं। अपाचे आरटीएक्स 300 कई आकर्षक रंगों में उपलब्ध है, जिनमें वाइपर ग्रीन, टार्न ब्रॉन्ज़, मेटैलिक ब्लू, लाइटनिंग ब्लैक और पर्ल व्हाइट शामिल हैं। इस लॉन्च के साथ टीवीएस ने भारतीय बाजार में एडवेंचर टूरर सेगमेंट में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। बाइक का इंजन टू-वे थर्मोस्टेट, इंटेलिजेंट एयर-फ्लो तकनीक और पेटेंटेड डक्ट सिस्टम से लैस है, जो दहन को सेमलैस और तापमान को नियंत्रित रखता है

भारत में वाहनों की शिपमेंट बढकर हुई 3,72,458 यूनिट्स

नई दिल्ली

भारत में बीते सितंबर महीने में यात्री वाहनों, कारों और एसयूवी सहित वाहनों की शिपमेंट 4.4 प्रतिशत बढ़कर 3,72,458 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह संख्या 3,56,752 यूनिट्स थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 प्रतिशत बढ़कर 21,60,889 यूनिट्स रही, जो सितंबर 2024 में 20,25,993 यूनिट्स थी। तिपहिया वाहनों की शिपमेंट भी 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84,077 यूनिट्स पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 79,683 यूनिट्स था। एसआईएएम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने बताया कि 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी दरों के बावजूद, सितंबर में यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने अब तक की सबसे बड़ी बिक्री दर्ज की है। उन्होंने कहा कि अनुकूल परिस्थितियों और जीएसटी 2.0 सुधार के चलते ऑटो उद्योग का आउटलूक उत्साहजनक बना हुआ है। चंद्रा ने इसे भारतीय ऑटो उद्योग और

अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया। जुलाई-सितंबर तिमाही में यात्री वाहनों की बिक्री 10,39,200 यूनिट्स रही, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 10,55,137 यूनिट्स से थोड़ा कम है। इसी अवधि में दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़कर 55,62,077 यूनिट्स हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 2,29,239 यूनिट्स रही, जो आर्थिक गतिविधियों के उच्च स्तर को दर्शाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया ने वर्षा बाधित पहले एकदिवसीय में भारत को सात विकेट से हराया

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने वर्षा बाधित पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भारतीय टीम को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। बारिश की बाधा के कारण मैच 26-26 ओवर का कर दिया गया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के 38 और अक्षर पटेल के 31 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 136 रन बनाए। इसके बाद डकवर्थ लुइस प्रणाली से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 131 रनों का लक्ष्य मिला जिसे उसने 21.3 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मैच में कप्तानी कर रहे मिचेल मार्श ने 46 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। मार्श के अलावा जोश फिलिप ने 37 और रेन शॉ ने 21 रन बनाए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सात माह बाद वापसी करते हुए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा असफल रहे और केवल 8 रन ही बना पाये। कप्तान शुभमन गिल भी 10 रनों बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। विराट कोहली भी शून्य पर ही आउट हो गये। श्रेयस अय्यर भी इस मैच में रन बनाने में विफल रहे। राहुल ने सबसे अधिक 38 और अक्षर ने 31 रन बनाए। इस मैच में डेब्यू कर रहे ऑलराउंडर नीतिश कुमार भी 19 रन ही बना पाये। मेजबान टीम की ओर से जोश हेजलवुड, मिचेल ओवेन और मैथ्यू कुहनेमन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क और नाथन एलिस को 1-1 विकेट मिला।

भारतीय रोइंग टीम ने एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में जीते 10 पदक

हाई फोंग (वियतनाम) (एजेंसी)। भारतीय रोइंग टीम ने एशियाई रोइंग चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला और पुरुष वर्ग में तीन स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते। भारतीय रोइंग दल ने 16 से 19 अक्टूबर तक वियतनाम के हाई फोंग में आयोजित एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। 15 स्पर्धाओं में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने वाले 37 एथलीटों (25 पुरुष और 12 महिलाएं) के साथ, भारत ने 10 स्पर्धाओं में पदक जीते।

पुरुषों की क्वाड्रपल स्कल (एम 4एक्स) में कुलविंदर सिंह, नवदीप सिंह, सतनाम सिंह, जाकर खान की टीम ने स्वर्ण पदक जीता। हीट्स 16 और 17 अक्टूबर को हुए, उसके बाद 18 और 19 अक्टूबर को फाइनल हुए, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय टीम का अभियान बेहद सफल रहा। लाइटवेट पुरुष डबल स्कल (एलएम 2 एक्स) में लक्ष्य, अजय त्यागी की टीम स्वर्ण पदक जीता।

वहीं बलराज पंवार ने पुरुषों की एकल स्कल (एम 1 एक्स) स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता है। यह उपलब्धि हाल के इतिहास में एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में भारत के सबसे मजबूत प्रदर्शनों में से एक है, जिसने भारत एशियाई रोइंग में एक उभरती हुई ताकत के रूप में उभरा है। पुरुषों की आठ (एम8 प्लस) स्पर्धा में नितिन देओल, परविंदर सिंह, लखवीर सिंह, रवि, गुरप्रताप सिंह, भीम सिंह, जसविंदर सिंह, कुलबीर, किरण सिंह मैयोम ने रजत पदक जीता।

इस अभियान का एक महत्वपूर्ण आकर्षण लाइटवेट महिला जोड़ी (एलडब्ल्यू2) स्पर्धा रही। जहां गुरबानी कौर और दिलजोत कौर ने रजत पदक जीतकर एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं के 15 साल के सूखे को समाप्त किया। भारतीय नौकायन महासंघ की ओर से जारी बयान में अध्यक्ष बालाजी मरदापा ने दल के प्रति हार्दिक गर्व और प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, 'यह उपलब्धि केवल पदकों का संग्रह नहीं है। यह हमारे एथलीटों के वर्षों के धैर्य, त्याग और अटूट भावना का प्रतिबिंब है। पानी पर हर स्ट्रोक अरबों दिलों की आशा से प्रेरित था। हाई फोंग में भारत का प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि हमारे रोवर्स एशिया के सर्वश्रेष्ठ रोवर्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं।'

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास, वनडे में 2000 रन और 150 विकेट लेने वाली पहली भारतीय बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ महिला विश्व कप 2025 के मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। दीप्ति महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट लेने वाली चौथी महिला क्रिकेटर बन गई है। दीप्ति यह रिकॉर्ड बनाने वाली वह पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं। महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट हासिल करने के मामले में पहली तीन महिला खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एलिसा पेरी, वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और दक्षिण अफ्रीका की मारिजैन कैप हैं।

महिला वनडे में 2000 रन और 150 विकेट का डबल

4414, 166 - एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया)

5873, 155 - स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज)

3397, 172 - मारिज़ैन कैप (दक्षिण अफ्रीका)

2607, 150 - दीप्ति शर्मा (भारत)

महिला वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट

255 - झूलन गोस्वामी (203 सराय)

150* - दीप्ति शर्मा (116 पारी)

141 - निकोला डेविड (97 इन्स)

100 - नूशिन अल खादीर (77 सराय)

99 - राजेश्वरी गायकवाड़ (64 सराय)

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स (56) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 25 ओवर पूरे होने तक 2 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी: 14 साल की उम्र में क्रिकेट की नई सनसनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में महज 14 साल की उम्र में टूर्नामेंट का दूसरा सबसे तेज शतक बनाने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है। उस मैच में उन्होंने 35 गेंदों में 100 रन पूरे किए, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल थे। यह किसी भी भारतीय खिलाड़ी का आईपीएल में अब तक का सबसे तेज शतक माना जाता है। इस प्रदर्शन ने उन्हें न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनियाभर में क्रिकेट प्रेमियों के लिए नई सनसनी बना दिया। वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 से पहले 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस समय उनकी उम्र केवल 13 साल थी। इस नीलामी में वे सबसे युवा बिकने वाले खिलाड़ी बने और आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी।

सूर्यवंशी आईपीएल के इतिहास में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जो 2008 में शुरू हुई इस लीग में पैदा हुए और अब मैदान पर खेल रहे हैं। उनकी बेखौफ बल्लेबाजी का प्रभाव सिर्फ आईपीएल तक सीमित नहीं रहा। इंडिया ए की तरफ से उन्होंने इंग्लैंड ए और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व क्रिकेटर और भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एक टॉक शो में बताया कि सूर्यवंशी उन्हें सचिन तेंदुलकर की याद दिलाते हैं। शास्त्री ने जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ओपनर मैथ्यू हेडन भी उनके प्रदर्शन से हैरान रह गए थे।

शास्त्री ने कहा, 'वह 14 साल का नहीं हो सकता। उसने मोहम्मद सिराज और ईशांत शर्मा की गेंदों को एक्स्ट्रा कवर और मिडविकेट पर शानदार तरीके से खेला। अब उसके लिए सबसे मुश्किल समय है क्योंकि इतनी कम उम्र में उसने ऐसी छवि बना ली है जैसे सचिन ने बनाई थी। अगले दो-तीन सालों में उसे किसी मार्गदर्शक की जरूरत होगी, जो उसे सही दिशा दिखा सके।' वैभव सूर्यवंशी का यह जलवा साबित करता है कि भारतीय क्रिकेट के सामने आने वाले वर्षों में उनके जैसे युवा सितारों के लिए संभावनाओं का सागर खुला है। उनकी लगन और प्रतिभा ने दर्शकों और विशेषज्ञों दोनों का दिल जीत लिया है, और यह स्पष्ट है कि वे आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के नए चमकते सितारे होंगे।

शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के हाथों पहला वनडे हारने की वजह बताई

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया से पहला वनडे रविवार को 7 विकेट से हारने के बाद कहा कि पॉवरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। शुभमन गिल ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, 'पावरप्ले में तीन विकेट गंवाना कभी भी आसान नहीं होता, आप हमेशा बराबरी का खेल खेलने की कोशिश करते हैं। इस मैच से बहुत कुछ सीखने को मिला और कई सकारात्मक बातें भी। 131 रनों का बचाव करते हुए हम मैच को काफी आगे तक ले गए और इससे हम बहुत संतुष्ट हैं। हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हम जहां भी खेलते हैं, दर्शक बड़ी संख्या में आते हैं।'

प्लेयर ऑफ द मैच मिचेल मार्श ने कहा, 'आज मौसम ने अपना असर दिखाया। सभी दर्शकों का बहुत-बहुत शुक्रिया जो मैदान पर डटे रहे। मुझे पता है कि ये दिन वाकई निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन जीत हासिल करना अच्छा लगता है। घर में जीतना हमेशा अच्छा लगता है। मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना बहुत पसंद है। (रन-चेज पर) थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा था। हम जानते थे कि दोनों टीमों के लिए यही स्थिति रहने वाली है, इसलिए वहां से जीतना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था।'

उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हमारे युवा खिलाड़ी मैदान पर उतरे और मैच को संभाला और हमें जीत दिलाई, उस पर मुझे गर्व है। (जोश फिलिप) मैदान पर आए और उन्होंने इसे बहुत आसान बना दिया, है ना? युवा खिलाड़ियों का मैदान पर आना मज़ेदार होता है। जरूरी नहीं कि वे युवा ही हों, बल्कि युवा खिलाड़ी मैदान पर आ रहे हैं। आप बस यही चाहते हैं कि वे मजे करें और इसका आनंद लें। वनडे क्रिकेट में, हमें हर समय बड़ी भीड़ के सामने खेलने का मौका नहीं मिलता, इसलिए मैंने उनसे कहा कि वे इसका पूरा आनंद लें।'

भारत के ट्रैप शूटिंग कोच पीटर विल्सन ने पूरा किया अपना वादा, मुंडवाया सिर

एथेंस (ग्रीस)। भारत के विदेशी ट्रैप शूटिंग कोच और पूर्व ओलंपिक चैंपियन पीटर विल्सन ने एथेंस में ISSF शॉटगन विश्व चैंपियनशिप 2025 में जोरावर सिंह संधू के कांस्य पदक जीतने के बाद वादे के अनुसार अपना सिर मुंडवा लिया। ओलंपिक्सडॉटकॉम के अनुसार विश्व शॉटगन निशानेबाजी के सबसे प्रभावशाली नामों में से एक, विल्सन ने वादा किया था कि अगर उनके किसी खिलाड़ी ने विश्व चैंपियनशिप से पदक जीते तो वह अपना सिर मुंडवा लेंगे। जोरावर सिंह संधू का यह कांस्य पदक' 2006 के बाद से विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में भारत का पहला पदक' है और शर्त के अनुसार ब्रिटिश दिग्गज ने अपना वादा निभाया। उल्लेखनीय है कि भारत के जोरावर सिंह संधू ने 48 वर्ष की आयु में इतिहास रचते हुए ISSF वर्ल्ड चैम्पियनशिप शॉटगन 2025 में शुक्रवार को पुरुष ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था।

स्मृति मंधाना विवाह के बंधन में बंधेगी, इस म्यूजिक डायरेक्टर ने क्रिकेटर संग शादी की पुष्टि की

इंदौर । भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना और संगीत निर्देशक पलाश मुच्छल के रिश्ते को लेकर लंबे समय से मीडिया और फैंस में चर्चा चल रही थी। अब यह अफवाहें सच साबित हुई हैं। हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में पलाश ने स्पष्ट किया कि मंधाना जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, 'वह जल्द ही इंदौर की बहू बनेंगी... बस इतना ही कहना चाहता हूं।' यह पहली बार है जब दोनों पक्षों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि की है। इससे पहले सोशल मीडिया पर दोनों की साथ में तस्वीरें और वीडियो देखे जाते रहे थे, जिससे अटकलों को और बल मिला था।

स्मृति और पलाश अक्सर सोशल मीडिया पर साथ में दिखाई देते रहे हैं। उनके फैंस हमेशा इस जोड़ी की झलक पाने के लिए उत्सुक रहते थे। हालांकि, अब पहली बार दोनों ने सीधे तौर पर अपने रिश्ते को स्वीकार किया है, जिससे मीडिया और फैंस दोनों को आधिकारिक पुष्टि मिल गई। 30 वर्षीय संगीत निर्देशक ने इस घोषणा के दौरान मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैंने आपको शीर्षक दे दिया है।'

इस बीच भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंदौर के होल्कर स्टेडियम में आईसीसी महिला विश्व कप के अहम मुकाबले की तैयारी में जुटी है। टीम का सामना इंग्लैंड से होना है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए जीत आवश्यक है। स्मृति मंधाना, जो टीम की उप-कप्तान और प्रमुख सलामी बल्लेबाज हैं, इस समय टीम के लिए फोकस्ड ट्रेनिंग कर रही हैं। पलाश ने अपनी शुभकामनाएं भी टीम को दी और विशेष रूप से स्मृति और कप्तान हरमनप्रीत कौर को हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा, 'हम हमेशा यही चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम हर मैच जीते और देश का नाम रोशन करे।'

अफगानिस्तान की जगह ट्रॉई सीरीज में किसी अन्य टीम को शामिल करने पर विचार शुरू किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को पाकिस्तान में हुए हमले में तीन अफगानिस्तान क्रिकेटरों की दुखद मौत के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ होने वाली आगामी ट्रॉई सीरीज से हटने का ऐलान किया। इस फैसले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अफगानिस्तान की अनुपस्थिति में ट्रॉई सीरीज को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित करने का संकेत दिया है।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अफगानिस्तान की जगह लेने के लिए वे अन्य बोर्डों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान के हटने के बाद भी ट्राई-सीरीज निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ेगी। हम एक रिप्लेसमेंट टीम पर विचार कर

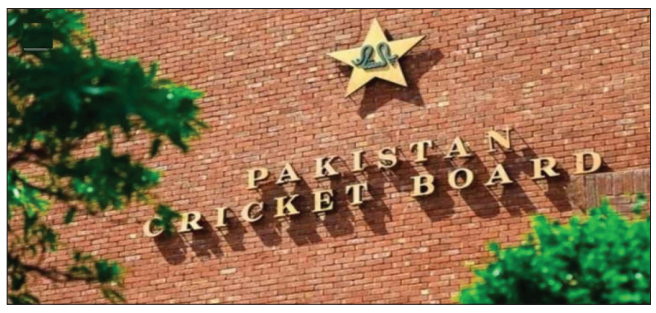

रहे हैं और एक बार अंतिम रूप लेने के बाद इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रॉई सीरीज में श्रीलंका तीसरी टीम के रूप में शामिल है और यह 17 नवंबर से शुरू होकर 29 नवंबर को फाइनल के साथ समाप्त होगी। अफगानिस्तान ने टेस्ट दर्जा मिलने के बाद पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मान्यता मिलने से पहले उनकी ए टीमों ने कई बार पाकिस्तान का दौरा किया था। कई अफगान खिलाड़ियों ने पाकिस्तान में प्रशिक्षण लिया और उन्हें स्थानीय टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति भी दी गई थी।

सूत्रों के अनुसार, पीसीबी वर्तमान में अफगानिस्तान के विकल्प के रूप में नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात जैसी सहयोगी सदस्य टीमों पर भी विचार कर रहा है। हालांकि प्राथमिकता ऐसे टेस्ट खेलने वाले देश को शामिल करने की है जो ट्राई सीरीज के स्तर को बनाए रख सके। इसके अलावा, पाकिस्तान 11 से 15 नवंबर तक श्रीलंका के साथ तीन मैचों की द्विपक्षीय टी20 सीरीज भी खेलेंगे। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के संबंध पिछले कुछ समय से तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन एशिया कप से पहले शारजाह में आयोजित ट्राई सीरीज में दोनों देशों की टीमें साथ खेल चुकी हैं, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल थी। इस तरह, अफगानिस्तान की अनुपस्थिति के बावजूद ट्राई सीरीज को तय समय पर आयोजित करने के लिए पीसीबी सक्रिय कदम उठा रहा है और जल्द ही रिप्लेसमेंट टीम का ऐलान होने की उम्मीद है।

भारत बना विश्व रेलवे शतरंज चैंपियनशिप का विजेता

क्रीबेरॉन , फ्रांस । भारत ने विश्व रेलवे शतरंज चैंपियनशिप 2025 में कमाल का प्रदर्शन करते हुए 15 में से 15 अंक हासिल कर चैंपियनशिप जीत ली है । फ्रांस के क्रीबेरॉन में 7 से 9 अक्टूबर तक खेले गए इस टूर्नामेंट में भारत ने जर्मनी, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया और चेक गणराज्य जैसी ताकतवर टीमों को करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम में कुल छह खिलाड़ी ग्रांड मास्टर दीप्तयान घोष, इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसैन, ग्रांड मास्टर मित्रभा गुहा, इंटरनेशनल मास्टर नीलाश साहा, ग्रांड मास्टर पी श्याम निखिल, ग्रांड मास्टर विषाख एन आर थे और कोच थे टी जे सुरेशकुमार । टीम ने स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया और बुल्गारिया को 6-0 से हराया जबकि जर्मनी को 5.5-0.5 और चेक गणराज्य को 5-1 से मात दी। मित्रभा, हिमल और नीलाश ने बिना एक भी मैच हारे 5 में से 5 जीत हासिल कीं। दीप्तयान, विषाख और श्याम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 4.5 अंक बनाए। विश्व के 11 देशों की 74 खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, जिसमें चार ग्रैंडमास्टर्स और दो इंटरनेशनल मास्टर्स शामिल थे। भारत की यह जीत उसकी शतरंज क्षमता और टीम भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे शतरंज टीम के लिए गर्व का विषय है और विश्व स्तर पर भारत की शतरंज स्थिति को और मजबूती प्रदान करती है।

शमी ने रणजी में शानदार प्रदर्शन कर चयनसमिति को करारा जवाब दिया

-टीम इंडिया में वापसी के लिए दावेदारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से शानदार गेंदबाजी कर एक बार फिर भारतीय टीम में वापसी के लिए दावेदारी पेश की है। शमी ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 7 विकेट लिए। शमी ने इस प्रकार चयन समिति को अपनी फिटनेस के साथ ही फार्म भी दिखाया है। हाल में चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने उनके फार्म और फिटनेस पर सवाल उठाये थे और कहा था कि इसी कारण उनके नाम पर विचार नहीं हो रहा है। इसका जवाब उन्होंने अपनी गेंदबाजी से दिया है। शमी ने अंतिम बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी शमी को शामिल नहीं किया गया है। अब शमी ने अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि उनमें अभी क्रिकेट शेष है। शमी को लेकर प्रबंधन की ओर से लगातार ये कहा जा रहा है कि उनकी फिटनेस ठीक नहीं है। गौरतलब है कि साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद से ही शमी चोट के कारण परेशान रहे हैं। उन्होंने सर्जरी के बाद अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया और चैंपियंस ट्रॉफी में वापसी भी की थी पर इसके बाद भी उनकी फिटनेस पर सवाल उठे हैं। इस पूरे मामले पर शमी का मानना है कि अगर पूरी तरह से फिट नहीं होते तो घरेलू क्रिकेट में कैसे उतरते। साथ ही कहा कि कि वह पूरी तरह से फिट हैं। शमी की शानदार गेंदबाजी से बंगाल ने उत्तराखंड को 8 विकेट से हरा दिया

फिर होगा गुकेश का कार्लसन और नाकामुरा से मुक़ाबला , चैम्पियन शो डाउन में होगी टक्कर

सेंट लुइस, यूएसए । भारत के वर्तमान विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश एक बारा फिर से अमेरिका में इस माह के अंत में खेलते हुए नजर आएंगे और इस बार उनके सामने विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन भी होंगे साथ ही एक बार फिर उनका सामना हिकारु नाकामुरा और फबियानों करूआना से भी होगा । विश्व के ये चार शीर्ष ग्रैंडमास्टर 25 से 30 अक्टूबर तक सेंट लुइस चेस क्लब में होने वाले क्लच चेस : चैम्पियंस शो डाउन ? में आमने-सामने होंगे। यह छह दिवसीय रैपिड टूर्नामेंट कुल 4,12,000 डॉलर (लगभग 3.4 करोड़) की इनामी राशि के साथ खेला जाएगा। इसका प्रारूप डबल राउंड-रॉबिन का है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी एक-दूसरे से दो बार भिड़ेगा। हर मुकाबले का समय नियंत्रण 10 मिनट और प्रति चाल 5 सेकंड की वृद्धि रहेगा। पहले चरण में जीत पर 1 अंक, दूसरे में 2 अंक, और तीसरे राउंड-रॉबिन में 3 अंक मिलेंगे, जिससे टूर्नामेंट के अंतिम दिनों में रोमांच चरम पर रहेगा। प्रत्येक चरण में जीतने पर बोनस राशि भी तय है, जो 1,000 डॉलर से शुरू होकर अंतिम चरण में 3,000 डॉलर तक होगी । प्रमुख पुरस्कारों में विजेता को 1,20,000 डॉलर उपविजेता को 90,000,डॉलर तीसरे स्थान पर रहने वाले को 70,000 डॉलर और चौथे स्थान पर आने वाले को 60,000 डॉलर मिलेंगे। यह आयोजन सेंट लुइस चेस क्लब की नई उन्नत सुविधाओं में हो रहा है, जिसे अब शतरंज की विश्व राजधानी कहा जा रहा है। टूर्नामेंट की मेजबानी में क्लब की आधुनिक व्यवस्था और दर्शकों की वापसी की घोषणा भी की गयी है ।

वनडे कप्तानी को लेकर सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान- कहा 'अच्छा खेला होता तो मौका मिल सकता था'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि अगर उन्होंने वनडे फॉर्मेट में बेहतर प्रदर्शन किया होता, तो शायद उन्हें 50 ओवर की भारतीय टीम की कमान भी सौंपी जा सकती थी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पिछले महीने पाकिस्तान को हराकर टी20 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। उनकी नेतृत्व क्षमता की खूब सराहना हुई और टीम ने उनके अंडर अब तक 23 टी20 मैच जीते हैं। हालांकि व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज से पिछले कुछ समय से उनका बल्ला खामोश है और वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए हैं।

वनडे क्रिकेट की बात करें तो सूर्यकुमार को इस फॉर्मेट में भी कई मौके दिए गए, लेकिन वह अपनी छाप नहीं छोड़ सके। उन्होंने 37 वनडे मैचों में 25.76 के औसत से सिर्फ 773 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। पॉडकास्ट के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, 'अब मैं सोचता हूं कि अगर मैंने वनडे फॉर्मेट में अच्छा किया होता, जैसे अभी टी20 कप्तानी चल रही है, तो वनडे कप्तानी भी मिल सकती थी। पहले मैं इस बारे में नहीं सोचता था, लेकिन अब मन में यह ख्याल आता है। फॉर्मेट थोड़ा लंबा है, पर मैं अभी भी ट्राई करूंगा, क्योंकि सपना तो है ही।' उन्होंने मुस्कुराते हुए जोड़ा, 'घर पर मैं और मेरी वाइफ अक्सर यही बात करते हैं कि अगर मेरा वनडे फॉर्म अच्छा गया होता, तो शायद आज हालात अलग होते।'

सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा वनडे कप्तानी से रिटायर होंगे, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम की कमान किसे सौंपी जाती है। 'अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आप हमेशा दावेदार बने रहते हैं। अभी भी मौका खत्म नहीं हुआ है,' उन्होंने कहा। गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया की कमान दी गई थी। वहीं टेस्ट क्रिकेट से रोहित के हटने के बाद शुभमन गिल कप्तान बने हैं और अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वनडे टीम की कप्तानी भी सौंपी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिवाली में लिविंग रूम को सजाते समय आप भी रखें इन बातों का ध्यान

घर का लिविंग रूम सब के लिए खास होता है। यह एक ऐसा रूम है जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठ के क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। घर में आने वाले मेहमान भी लिविंग रूम में बैठते हैं। यही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए लिविंग रूम का बड़ा ही महत्व रहता है क्यूंकि, ये वो जगह है, जहां घर की पार्टी का इंतजाम किया जाता है। अगर लिविंग रूम अट्रैक्टिव होता है, तो पार्टी की रौनक और भी बढ़ जाती है, अगर अस्त-व्यस्त हो, तो पार्टी का मजा किरकिरा हो जाता है। इस दिवाली अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लिविंग रूम को शानदार तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो आपको कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

वैसे तो दिवाली के दिन सभी घरों में लाइट की व्यवस्था खूब रहती है लेकिन, जब दिवाली के दिन घर पर मेहमानों के साथ पार्टी रखी है, तो आपको अन्य दिनों के मुकाबले कुछ अधिक लाइट लगा लेनी चाहिए। अगर ठीक से लाइट नहीं हो तो पार्टी के साथ कमरे की सजावट खराब हो जाती है। हो सके तो पार्टी वाले दिन रंग-बिरंगी लाइट को लिविंग रूम में लगाने से बचे क्यूंकि, खाना खाने के दौरान बहुत कम लोग ही इस तरह की लाइट्स को पसंद करते हैं।

गलत कालीन को करें साइड

दिवाली पार्टी वाले दिन आप लिविंग रूम में कालीन ना ही लगाएं तो बेहतर है। अगर आप सफेद कलर का कालीन लिविंग रूम में लगाने वाली है, तो ये गलती भूल के भी नहीं कीजियेगा, क्यूंकि एक बार अगर कालीन पर दाग लग गए फिर उसके बाद उस दाग को निकालने में आपको ही मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए दिवाली पार्टी के दिन कालीन बिछाने के लिए रंग का चयन करते समय ये जरूर याद रखें।

टेबल, कुर्सी का रखें ध्यान

वैसे तो लिविंग रूम एक तरह से टेबल, कुर्सी या सोफा सेट के लिए जाना जाता है लेकिन, दिवाली पार्टी वाले दिन लिविंग रूम में अधिक कुर्सी और सोफा सेट रखने से बचें, क्यूंकि इससे लिविंग रूम की जगह भी कम हो जाती है, और लिविंग रूम एकदम से भरा-भरा दिखने लगता है, जिसके चलते कई बार आने-जाने के लिए जगह की कमी हो जाती हैं। पार्टी के लिए आप एक बड़ा सा टेबल का इस्तेमाल कीजिए जिस पर एक साथ सभी बैठकर खाना खा सके।

सेटिंग चेंज करें

लिविंग रूम को अट्रैक्टिव दिखाने के लिए इसकी सेटिंग चेंज करते रहें। अगर आपने पिछले कई महीनों से लिविंग रूम की सेटिंग चेंज नहीं की है, तो इस बार उसे भी कर लीजिए। कई बार सेटिंग चेंज करने से भी लिविंग रूम को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। आप सोफा, टीवी और टेबल आदि की पोजीशन को चेंज कर दीजिये और ये भी ध्यान रखें कि कई चीजों को एक साथ ना रखें। लिविंग रूम को खुला खुला रखने की कोशिश करें ताकि बीच में आने-जाने की जगह बनी रहे।

दिवाली पर घर के हर कोने को लाइट्स से यूं सजाएं

दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। आज हम आपको बताएंगे कि घर के किस कोने में लाइट्स लगा सकते हैं और कौन सी लाइट घर के किस कॉर्नर के लिए अच्छी रहेगी।

दीवाली का त्योहार आते ही लोग अपने घर को सजाना-संवारना शुरू कर देते हैं। ज्यादातर लोग इस त्योहार पर लाइट्स से अपने घर को सजाते हैं। जाहिर है, दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। बहुत से लोग घर में जहां भी जगह पाते हैं, वहां लाइट्स लगा देते हैं, वहीं कुछ लोगों को तो यह भी नहीं पता होता है कि कौन सी लाइट को कहां और कैसे लगाना चाहिए।

एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया

अगर आप बाजार से डिजाइनर एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया खरीद कर लाए हैं, तो उसकी प्लेसमेंट सही जगह करें। जहां एलईडी दीये से आप घर के किसी भी कॉर्नर, टेबल, बालकनी आदि को सजा सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक दीये आपको मंदिर में रखने चाहिए। हालांकि, वास्तु के हिसाब से इसे सही नहीं माना जाता है, इसलिए इन दीयों के साथ-साथ असल के दीयों से भी मंदिर को सजाएं।

फॉलिंग एलईडी लाइट्स

अगर आपके घर में गार्डन है और गार्डन में पेड़ पौधे लगे हुए हैं, तो आप फॉलिंग एलईडी लाइट्स को पेड़ में लगा सकते हैं। इससे आपका गार्डन जगमगा जाएगा। आप इस तरह की लाइट्स को बालकनी में भी सजावट के लिए लगा सकती हैं।

राइस लाइट

घर पर मौजूद सेंटर टेबल को भी आप लाइट-अप कर सकती हैं। इसके लिए आप असली के दीयों के साथ-साथ किसी शीशे की बॉटल के अंदर राइस लाइट भी भर कर रख सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि राइस लाइट को ऐसे स्थान पर रखें जहां कम रोशनी हो। अधिक रोशनी में इसे रखने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हैंगिंग लाइट्स

हैंगिंग लाइट्स का इस्तेमाल आप किसी भी स्थान पर कर सकती हैं। मगर इस बात का ध्यान रखें कि जब आप हैंगिंग लाइट लगा रही हों तो उसे दीवार से सटा कर न लगाएं। हां, अगर वॉल हैंगिंग लाइट है तो आप ऐसा कर सकती हैं। मगर सीलिंग हैंगिंग लाइट्स की खूबसूरती को निहारने के लिए सही तरह से उसे फिक्स करें।

एलईडी स्ट्रिप लाइट्स

अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजों या फिर फर्नीचर को डेकोरेट करना है तो एलईडी स्ट्रिप लाइट्स का प्रयोग करें। इतना ही नहीं, घर के मंदिर को डेकोरेट करने के लिए भी आप इन लाइट्स का प्रयोग कर सकती हैं। इन लाइट्स को लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि उस स्थान पर फिर और अधिक लाइट्स न लगाएं और इन्हें रनिंग मोड पर रखें, नहीं तो यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती हैं।

मेन डोर के लिए रंगोली डिजाइंस

दिवाली का त्योहार आते ही लोग तरह-तरह से अपने घर की सजावट शुरू कर देते हैं। वैसे हिंदू धर्म में हर त्योहार पर रंगोली बनाने को बहुत ही शुभ माना गया है।

वैसे तो घर के आंगन, रसोई के बाहर, पूजा स्थल पर और घर के मेन गेट आदि स्थानों पर रंगोली बनाई जा सकती है, मगर घर के मुख्य द्वार पर बनाई जाने वाली रंगोली हमेशा बहुत ही अर्थपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए, क्योंकि रंगोली का धार्मिक महत्व भी होता है। घर के मुख्य द्वार पर बनने वाली रंगोली की कुछ आसान और खूबसूरत डिजाइंस

लक्ष्मी जी के चरण वाली रंगोली

लक्ष्मी जी के चरण को बहुत ही शुभ माना जाता है। अमूमन लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के चरणों के स्टीकर लगाते हैं। मगर वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुभ माना जाता है और आमतौर पर बाजार में आपको प्लास्टिक के ही स्टीकर मिलेंगे। ऐसे में आप मुख्य द्वार पर लक्ष्मी जी के चरणों की रंगोली बना सकती हैं। यह रंगोली आप रंगोली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों से भी बना सकती हैं और ताजे फूलों से भी आप इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। अगर आप बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहती हैं, तो बहुत बड़ी रंगोली बनाने की जगह बॉर्डर डिजाइन ही बनाएं। यह कम समय और मेहनत में बन जाएगी।

कॉर्नर पर बनाएं रंगोली

आजकल ज्यादातर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। ऐसे में मेन डोर पर रंगोली बनाने से आने-जाने वालों को दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं, आपके द्वारा मेहनत से बनाई गई रंगोली खराब भी हो सकती है। ऐसे में आप मेन डोर के कॉर्नर पर रंगोली बना सकती हैं।

इस तरह की रंगोली के लिए आप मंडला आर्ट का चुनाव कर सकती हैं। मगर इसके लिए आपका आर्ट में माहिर होना बहुत जरूरी है। वैसे आपको बाजार में रेडीमेड नेट मिल जाएगा, जिसमें पहले से ही डिजाइन बनी होती है और आपको उसमें रंगोली के रंग भरने होते हैं। अगर आप खुद से ही मंडला आर्ट करके रंगोली बनाना चाहती हैं, तो आपको आटे की मदद से पहले आउटलाइन तैयार कर लेनी चाहिए और फिर रंगोली में रंग भरने चाहिए।

कमल देवी लक्ष्मी को अति प्रिय है। जगत पिता श्री हरि नारायण को भी कमल का फूल अति प्रिय है। वैसे तो घर के प्रवेश द्वार पर एक जल भरे पात्र में आपको खिला हुआ कमल का फूल रखना ही चाहिए। मगर यदि ऐसा संभव न हो तो आप प्रवेश द्वार पर कमल के फूल की डिजाइन वाली रंगोली भी बना सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि द्वार पर कमल का फूल देख कर देवी लक्ष्मी उस स्थान पर वास करने जरूर आती हैं।

फूल की रंगोली

घर के मुख्य द्वार पर आप फूलों की रंगोली भी बना सकती हैं। इसके लिए आप 2 से 3 तरह के फूल ले सकती हैं। फूलों की रंगोली से घर भी सुगंधित होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। फूलों की रंगोली बनाने के लिए आपको पहले ही आटे की मदद से आउटलाइन बना लेनी होगी। फिर आप फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली को भर सकती हैं।

दीयों की रंगोली

दिवाली का त्योहार दीपों का त्योहार होता है। इसलिए आप दीयों से भी अपनी रंगोली को सजा सकती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से अगर आप चौमुखी दीपक को घर के प्रवेश द्वार पर जलाते हैं, तो चारों दिशाओं से सुख और समृद्धि आती है। ऐसे में आप दीपक की गोलाई में रंगोली बना सकती हैं। आप ऊपर दी गई तस्वीर में दिखाई गई डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।

ज्यादा दिनों तक चलने के साथ वेट कंट्रोल करेगी गुलाब नारियल बर्फी

गुलाब नारियल बर्फी एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कई दिनों तक रख सकते हैं। साथ ही नारियल होने की वजह से इसमें ज्यादा चीनी का इस्तेमाल भी नहीं करना पड़ता। इस वजह से इसे खाने से वेट भी नहीं बढ़ता। वहीं अगर आप चीनी खाना पूरी तरह छोड़ चुके हैं, तो आप चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करके भी गुलाब नारियल बर्फी बना सकते हैं। फेस्टिव सीजन खासकर दिवाली के लिए आप यह मिठाई बना सकते हैं।

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की सामग्री

- 1 कप मावा
- 2 कप नारियल पाउडर
- 3/4 कप चीनी बूरा
- 2-4 बूंद रोज एसेंस
- 1 टीस्पून इलायची पाउडर
- 1/4 टीस्पून रेड फूड कलर
- 2 टेबलस्पून पिस्ता कटे हुए
- 2 टेबलस्पून नारियल पाउडर

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में नारियल पाउडर, गुलाब एसेंस, इलायची पाउडर और चीनी बूरा डालकर मिक्स कर 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। तय समय के बाद मीडियम आंच पर पैन रख दें। इसमें मावा, नारियल पाउडर वाला मिश्रण और चीनी डालकर इसके घुलने तक पकाएं। जब मिश्रण पैन छोड़ने लगे तब गैस बंद कर इसे प्लेट पर निकाल लें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग में रेड फूड कलर मिलाएं। अब ट्रे पर घी लगाकर चिकना कर लें। पहले सादा मिश्रण डालें फिर ऊपर से कलर वाला मिश्रण डालकर सेट करें। इस पर नारियल पाउडर छिड़ककर कटे हुए पिस्ता डाल दें। ट्रे को फ्रिज में 1 घंटे तक सेट होने के लिए रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से ट्रे निकाल लें। तैयार है गुलाब नारियल बर्फी। मनचाहे पीस में काटकर सर्व करें।

इस बार त्योहार पर बनाएं खाजा मिठाई

अगर आप त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की यह फेमस रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

भारत अपनी परंपराओं और स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए जाना जाता है। हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और खान-पान है। यहां हर उत्सव को खास तरीके से मनाया जाता है, कई पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं। अब दीपावली का त्योहार भी आने वाला है। त्योहार के मौके पर सभी के घरों में मिठाइयां बनने लगती हैं। ज्यादातर घरों में महिलाएं लड्डू बनाना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप इस बार त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की फेमस मिठाई खाजा की यह रेसिपी ट्राई कर सकती हैं। आपको बता दें कि यह आंध्र प्रदेश की एक पारंपरिक डिश है, जिसे मैदा और शुगर सिरप में डीप करके तैयार किया जाता है। इसे लोग खास त्योहार के मौके पर बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसे कई नामों से पुकारा जाता है जैसे आंध्र चिरोटी, खाजा आदि। साथ ही, यह डिजर्ट बिहार में भी काफी लोकप्रिय है और बहुत से लोग इसे बिहारी खाजा के नाम से भी जानते हैं। आप इसे बहुत ही आसानी से बना सकती हैं, कैसे? आइए जानते हैं.

बनाने की विधि

- खाजा मिठाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मैदा छान लें और फिर इसमें सभी सामग्रियों जैसे बेकिंग पाउडर, घी आदि डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब आप आटे में पानी डालें और उसे अच्छी तरह से गूंथ लें। फिर 20 मिनट के लिए अलग रख दें।
- जब आटा अच्छी तरह से सेट हो जाए, तो आटे को रोल करें और आटे की बराबर मात्रा में लोइयां बना लें।
- अब सारी लोइयों को रोटी की तरह पतला-पतला बेल लें और साइड में बेल कर रख लें।
- अब आपको खाजा बनाना है, इसके लिए आप एक प्लेट में रोटी रखें और उसके ऊपर मैदा, घी लगा लें। ताकि आटे (रोटी) की लेयर आपस में चिपके नहीं।
- फिर उसके ऊपर दूसरी रोटी रखें और इसी तरह आप सारी बेली हुई रोटियों की परत बना लें।
- अब इन रोटियों को फोल्ड करके एक रोल बना लें। फिर रोल को साइड से पतला-पतला (ज्यादा नहीं) खाजा के शेप में काट लें।
- अब धीमी आंच पर कढ़ाही में तेल गर्म कर लें। जब तेल गर्म हो जाए, तो खाजा को डीप फ्राई कर लें।
- अब आपको चाशनी बनानी है, इसके लिए आप एक बर्तन में चीनी और पानी डालें और चाशनी तैयार कर लें।
- अब तले हुए खाजा को एक एक करके चाशनी में डाल दें और कुछ देर इसे ही छोड़ दें।
- फिर कुछ देर बाद चाशनी से खाजा निकल लें और अपने मेहमानों को सर्व करें।

कम समय में बनानी है खूबसूरत रंगोली तो ये 5 हैक्स करेंगे मदद

दिवाली पर अगर आप भी चाहती हैं कि घर पर खूबसूरत रंगोली बने और समय कम लगे तो किचन के कुछ सामान की मदद से आप परफेक्ट रंगोली बना सकती हैं।

दीवाली करीब आ गई है और अब घरों में रंगोली बनना शुरू हो गई होगी। कई लोग नवरात्र से शुरू करके दिवाली के बाद तक घरों के आंगन को रंगोली से सजाते हैं। यकीनन घर के बाहर अगर खूबसूरत डिजाइन की रंगोली बनी हो तो देखकर बहुत अच्छा लगता है। पर कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें रंगोली की डिजाइन्स समझ नहीं आती और उन्हें इसे बनाने में बहुत समय लग जाता है। ऐसे में क्यों न हम कुछ ऐसे हैक्स का इस्तेमाल करें जिससे जल्दी से जल्दी रंगोली बन जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताने जा रहे हैं जो घर के सामान की मदद से ही अच्छी रंगोली बनाने में आपकी मदद कर सकते हैं। चम्मच, इयरबड, कंघी की मदद से आप खूबसूरत रंगोली डिजाइन्स बना सकते हैं। ये सभी बहुत आसानी से बनने वाले हैं और आपको इसमें समय बहुत कम लगेगा। तो चलिए जानते हैं कौन से हैं वो हैक्स

छलनी की मदद लें

आजकल ऐसी रंगोली का चलन बहुत ज्यादा है जहां अलग-अलग रंगों से बेस बनाया जाता है और उसके बाद सेंटर में सफेद या ऐसे ही लाइट रंगों से अलग-अलग तरह के डिजाइन्स बनाए जाते हैं। आप आप आटा छानने वाली छलनी में कलर डालकर एक गोलाकार सेंटर बना सकते हैं। इसके बाद चाय वाली छलनी में रंगों को भरकर उसी गोले के आस-पास कई रंगों के सर्कल बना सकते हैं। डिजाइन आप जो चाहें चुन लें छलनी की मदद से उसे बहुत आसानी से बना सकते हैं। इस तरह की रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपने सही कलर कॉम्बिनेशन नहीं रखा तो ये भी हो सकता है कि रंगोली बने तो परफेक्ट लेकिन खराब रंगों की वजह से खिली हुई सी न दिखे।

इयरबड की मदद से बनाएं खूबसूरत रंगोली

दिवाली की खूबसूरत रंगोली बनाने के लिए आप इयरबड्स की मदद भी ले सकते हैं। इनसे बहुत अच्छे डिजाइन्स बनाए जा सकते हैं। आपको करना बस ये है कि जिस तरह का डिजाइन भी आपने दिमाग में रखा है उसके हिसाब से रंग चुनने हैं। तस्वीर में जो रंगोली दिखाई गई है उसमें बेस व्हाइट रंग डालने के बाद अलग-अलग रंगों से बड़े डॉट्स फ्लोर पर बनाए गए थे। इसके बाद इयरबड की मदद से इन्हें पत्तियों वाला डिजाइन दिया गया है। आप भी इयरबड की मदद से खूबसूरत रंगोली की डिजाइन बना सकते हैं। बस ध्यान ये देना है कि जो डॉट्स आप बनाएं वो एक ही साइज के हों। इसके लिए आप किसी पतले नॉजल वाली बॉटल या रंगोली वाले कोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चम्मच की मदद से बनाएं

जिस तरह हम इयरबड्स का इस्तेमाल कर रंगोली बना सकते हैं उसी तरह चम्मच का इस्तेमाल कर रंगोली भी बनाई जा सकती है। इसके लिए आपको उसी तरह के डॉट्स फ्लोर पर बनाने होंगे जैसे हमने इयरबड्स के समय बनाए थे और साथ ही चम्मच की मदद से उसे शेप देना होगा। आप परफेक्ट राउंड शेप के लिए किसी स्टील की प्लेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं और उसके इर्द-गिर्द उस तरह के डॉट्स बना सकते हैं जैसे तस्वीर में दिखाए गए हैं। ये ट्रिक फूलों वाली रंगोली बनाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

चॉक की मदद से बनाएं रंगोली

आप रंगोली बनाने से पहले चॉक की मदद से उसकी डिजाइन पहले फ्लोर पर बना लें। ऐसा करने से आपको समय कम लगेगा और रंगोली के बिगड़ने की गुंजाइश भी कम हो जाएगी। आप चाहें तो गेहूं वाली छलनी (बड़े छेद वाली छलनी) की मदद से डॉट्स फ्लोर पर बनाकर डॉट्स वाली रंगोली भी बना सकती हैं। इन छोटे साइज के डॉट्स को कनेक्ट कर आप कई अच्छी डिजाइन्स तैयार कर सकती हैं।

फोर्क या कंघी का करें इस्तेमाल

अगर आपको किसी डिजाइन में बारीक लाइन्स चाहिए तो आप फोर्क या कंघी या फिर टूथपिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले बेस रंग फ्लोर पर डालें और उसके बाद टूथपिक, फोर्क या कंघी की मदद से उसपर मनचाहा डिजाइन बनाएं। इस तरह की रंगोली टाइल्स पर ज्यादा अच्छी तरह से बनती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

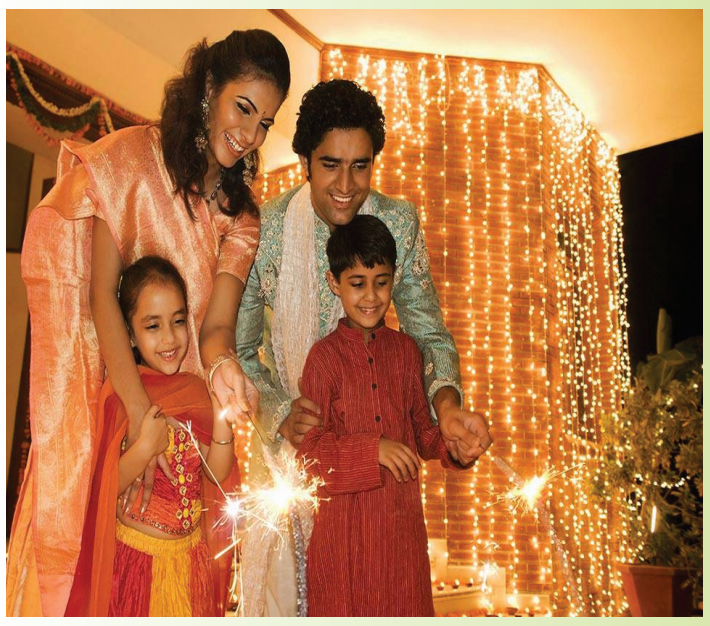

आतिशबाजी के समय बच्चों का रखें ध्यान

बच्चों को आतिशबाजी और पटाखे के कारण दीपावली का साल भर से इंतजार रहता है। पटाखे जलाने के दौरान बच्चों को जो खुशी मिलती है उसका कहना ही क्या। इस दौरा उनके साथ बड़े भी शामिल हो जाते हैं। उमंग और उत्साह के इस पर्व के दौरान सावधानी रखनी भी जरुरी है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी भारी पड़ सकती है। इसलिए पटाखे जलाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखें और और सुरक्षित दीपावली मनाएं। इन दिनों की जा रही रौशनी के पहले बल्ब और तार को ठीक से जांचे-परखे लें। इनसे बच्चों को करेंट लगने का खतरा रहता है।

पटाखे खरीदते समय हमेशा क्वॉलिटी का ध्यान रखें। सामान्य पटाखे की जगह ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल कर सकते है। दिवाली से पहले केंद्र सरकार द्वारा इन्हें जारी किया गया है इसमें अनार, पेंसिल, चकरी, फुलझड़ी व सुतली बम शामिल है।

घर में पटाखे ऐसी जगह पर रखें, जो बच्चों की पहुंच से दूर हों।

ऊपर की मंजिल पर रहने वाले बच्चों को भूलकर भी बालकनी से नीचे पटाखे जलाकर नहीं फेंकने चाहिए। वाहनों पर जलते पटाखे फेंकने जैसा मजाक भी नहीं करना चाहिए। इससे हादसों का खतरा रहता है। आतिशबाजी चलाते वक्त बच्चों को पटाखों से निश्चित दूरी बनाए रखने के बारे में समझाएं। उन्हें बताएं कि वे पटाखों को झुककर न जलाएं। नवजात शिशु और छोटे बच्चों के आसपास तेज आवाज वाले पटाखे न जलाएं। बच्चों को पटाखे जेब में डालकर घूमने न दें, क्योंकि पटाखों का जहरीला मसाला हाथों में लग जाने से त्वचा को नुकसान हो सकता है। पटाखे चलाते समय सूती और चुस्त कपड़े पहनें। ढीले, झालरों वाले और जरुरत से ज्यादा लंबी आस्तीन के कपड़े नहीं पहनें।

इसके साथ ही पानी से भरी एक बाल्टी रखें जिसमें जली हुई फुलझड़ी व आदि डाल दें।

किसी भी प्रकार के प्राथमिक उपचार के लिए जलने पर लगायी जाने वाली दवा भी रखें। पटाखे जलाते समय पैरों में चप्पल आदि पहनी होनी चाहिये क्योंकि ऐसा नहीं होने पर किसी भी जले हुए पटाखें से पैर जल सकता है।

धूमधाम से मनाएं दिवाली, आतिशबाजी छुड़ाने पर ध्यान रखें ये बातें

देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। रंगोली बनाते हैं और सभी दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देते हैं। मिठाइयां बांटते हैं और पटाखे जलाते हैं। पटाखे जलाते समय हमें अपनी और अपनों की सुरक्षा का ध्यान भी रखना चाहिए, क्योंकि जरा सी लापरवाही न सिर्फ आंखों में चोट का कारण बन सकती है, साथ ही पटाखों से निकलने वाले प्रदूषण के कारण भी आंखों को दीर्घकालिक क्षति का खतरा रहता है। विशेषकर बच्चों में इस तरह के जोखिम अधिक देखे जाते रहे हैं।

यद्यपि पटाखों को जलाना निषिद्ध है और विशेषज्ञों की दृष्टि से उचित नहीं है। पटाखे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है बल्कि ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है और हाथ और आंखों की चोटों के लिए जिम्मेदार है। अगर आप पटाखों या दीयों का उपयोग कर रहे हैं तो हाथ और आंखों की चोटों को रोकने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें।

खुले स्थानों पर ही जलाएं पटाखें : कोशिश करें कि पटाखों को दूर और खुले स्थानों पर ही जलाएं। पटाखों के एकदम नजदीक जाने से बचें। पटाखों को अपने चेहरे को तो बहुत ही दूर रखें। अगर कोई पटाखा न फूटे तो उसके पास जाकर उसे हाथ से न छूएं और न ही हाथ से उठाएं। हो सकता है कि वो पटाखा आप के हाथ में ही फट जाए। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने के लिए ना भेजें।

आंखों को पहुंच सकता है नुकसान : आंखों में कट, सुपरफिशियल एब्रेशन, ग्लोब इंज्योरी, केमिकल एण्ड थर्मल बर्न हो सकता है। अगर आप को आंखों में दर्द, लाल होना, सूजन, जलन, आंख खोलने और बंद करने में परेशानी या फिर दिखाई न देना जैसी समस्याएं हो रही है तो तुरंत नेत्र चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

पटाखों को कभी ना जलाएं टिन या शीशे की बोतल में : अतिशबाजी से सबसे ज्यादा क्षति तब होती है जब इन पटाखों को टिन या शीशे की बोतल में रखकर जलाया जाता है ताकि ज्यादा शोर हो, लेकिन कभी भी आसपास खड़े लोगों को नुकसान पहुंच सकता है इसलिए न ऐसा करे और न ही किसी को ऐसा करने दें। पटाखों के अंदर से निकला हुआ कार्बन और अन्य विषाक्त पदार्थ आंखों के उतकों, नसों और अन्य मुलायम लिगामेंट्स को क्षति पहुचा सकते हैं। बोतल में जलाए जाने वाले राकेट लोगों के चेहरों पर उड़कर लग जाते हैं जिसके कारण आंखों में चोट के सबसे ज्यादा मामले देखे जाते हैं। पटाखों के नजदीक से फटने से आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

कान्टैक्ट लेंस पहनने वाले रखें ध्यान : कान्टैक्ट लेंस पहनते वाले लोगों को दिवाली में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पटाखों को जलाने से पहले कान्टैक्ट लेंस निकाल लेना चाहिए। कान्टैक्ट लेंस की जगह चश्मा पहनकर रखें, नहीं तो पटाखों और दीया की गर्मी के कारण कान्टैक्ट लेंस आंखों में जलन पैदा कर सकते हैं।

आपात स्थिति में क्या करें : आपात स्थिति में अपने आप कोई उपचार ना करें। चोटिल भाग को न छेड़ें और न ही आंखों को मलें। अगर ये सुपरफिशियल इंज्युरी है तो आंखों को साफ पानी से धो लें। अगर आंखों से खून निकल रहा हो, दर्द हो या फिर साफ दिखाई न दे तो आंखों को ढंक लें और तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ के पास ले जाएं। किसी भी आंख की चोट को मामूली न समझें क्योंकि छोटी सी चोट भी आंखों की दृष्टि छीन सकती है।

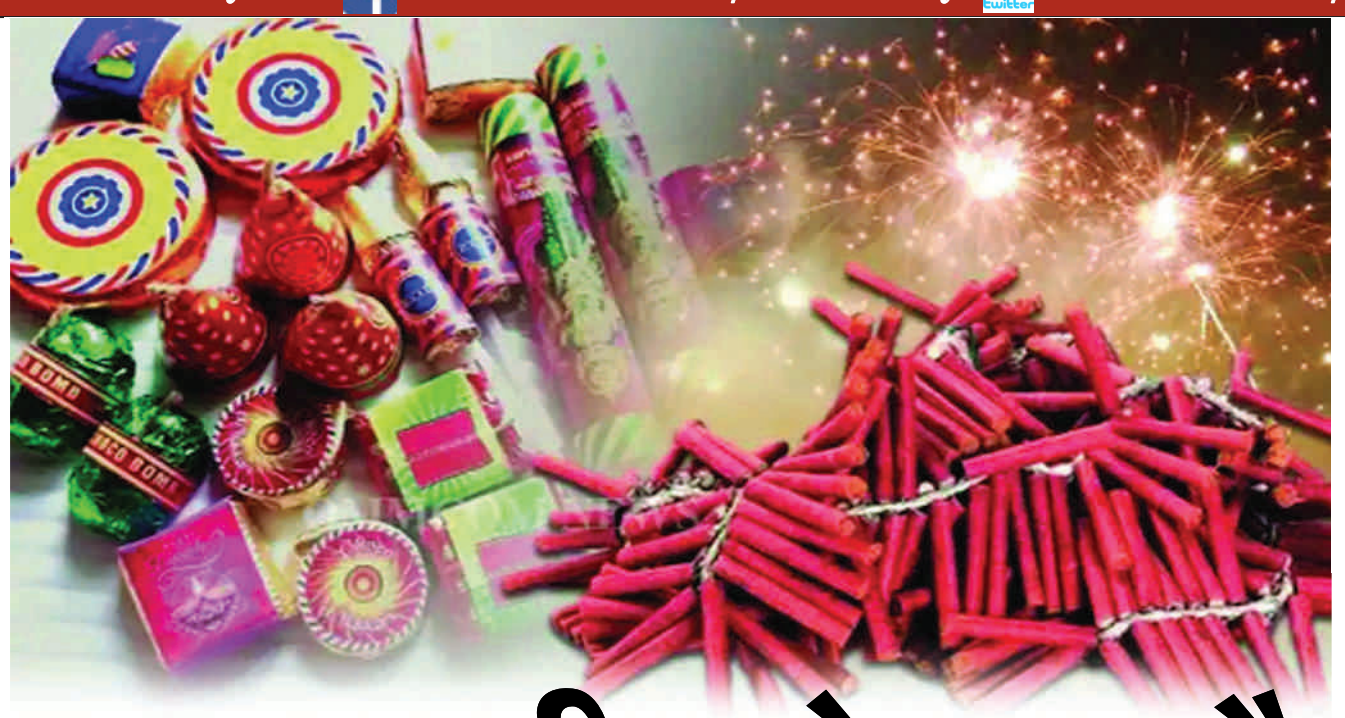

चीन से जुड़ा है पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रिय होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई।

तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है। इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। बस ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता है और इसकी मात्रा कम होती है। हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए हैं तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टक्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदूषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

तकनीक के साथ बदलते पटाखे

तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण में भी अपना असर दिखाने लगा है और नई तकनीक के साथ पटाखों की किस्म से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बदल नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटाखे आसमान को रंगीन रौशनी से भरते पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई तरह की आतिशबाजी समेटे पटाखे कुछ वर्ष पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अब बाजार में सबसे ज्यादा माँग इन्हीं पटाखों की है.और तो और चीन से इस बार आई पटाखों की नई किस्म भी भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देनजर हाथोंहाथ बिक रही है

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो

बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम चीन और बाकी देशों में आयात करते हैं.''

पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग लेते थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन की संसद में उठा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और हिंसा का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया। इस मामले में ब्रिटिश सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह किसी भी तरह की नफरत या हिंसा की कड़ी निंदा करती है, जो किसी भी अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय के खिलाफ हो। यह मामला ब्रिटिश हिंदुओं की संसदीय समिति के अध्यक्ष और कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने उठाया। उन्होंने हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को दिवाली से पहले प्रताड़ना, हिंसा और हत्या का सामना करना पड़ रहा है, उनके मंदिरों को तोड़ा जा रहा है और घरों को जला दिया जा रहा है। हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार की ओर से जवाब देते हुए सर एलन कैंपबेल, जो कि संसद में नेता हैं, ने कहा कि हम बांग्लादेश में मानवाधिकार और मानवीय स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और अंतरिम सरकार के साथ मिलकर वहां शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक बदलाव में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रिंस एंड्रयू ने छोड़ा 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' की उपाधि

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे अपनी शाही उपाधि 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' छोड़ रहे हैं। यह फैसला उस समय आया है जब यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन के साथ उनकी पुरानी दोस्ती एक बार फिर सुर्खियों में आई है। किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई एंड्रयू ने बकिंघम पैलेस की ओर से जारी एक बयान में कहा कि मेरे खिलाफ जारी आरोप महामहिम राजा और शाही परिवार के कार्यों से ध्यान भटका रहे हैं, इसलिए मैंने यह कदम उठाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि एंड्रयू पहले भी एपस्टीन से संबंधों को लेकर विवादों में घिर चुके हैं और 2022 में उन्हें सार्वजनिक भूमिकाओं से भी हटाया गया था।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला नाकाम, चार आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक आत्मघाती हमले की साजिश नाकाम कर दी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में आतंकियों ने एक सैन्य कैंप को निशाना बनाने की कोशिश की। एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी कैंप की दीवार से टकरा दी, जिससे जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद तीन अन्य आतंकी कैंप में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें सुरक्षाबलों ने गोलीबारी में मार गिराया। इस पूरे ऑपरेशन में चारों आतंकी ढेर हो गए और सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इसी तरह की घटनाएं बाजौर और बन्नू जिलों में भी हुई, जहां सुरक्षाबलों ने समय रहते विस्फोटकों से भरी गाड़ियों को निशाना बनाकर बड़ा आतंकी हमला टाल दिया। बन्नू में एक थ्री-व्हीलर मरीन पुलिस स्टेशन की ओर बढ़ रहा था, जिसे पुलिस ने समय रहते उड़ा दिया। अधिकारियों के मुताबिक, बीते दो दिनों में पूरे क्षेत्र में की गई कार्रवाई में अब तक 88 आतंकियों को मारा गया है।

ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी शिकागो में गार्ड तैनाती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि शिकागो क्षेत्र में नेशनल गार्ड (सैनिक बल) को तैनात करने की अनुमति दी जाए। यह कदम डेमोक्रेटिक गवर्नरों के साथ बढ़ते टकराव के बीच उठाया गया है, जो अमेरिका में सैन्य बलों की तैनाती को लेकर ट्रंप का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले एक संघीय न्यायाधीश ने कम से कम दो हफ्तों के लिए इलिनॉय और टेक्सास से आने वाले गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगा दी थी। इसके बाद फेडरल अपील कोर्ट ने भी इस आदेश को पलटने से इनकार कर दिया।

अफ्रीकी देश मोजाम्बिक के पास नाव पलटने से 3 भारतीयों की मौत, 5 लापता

मापुटो, एजेंसी। दक्षिण पूर्वी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक के बेइरा पोर्ट के पास शुक्रवार को एक नाव के पलटने से 3 भारतीयों की मौत हो गई और पांच लोग लापता हो गए। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, यह हादसा एक टैंकर के क्रू मेंबर्स को किनारे से जहाज तक ले जाने के दौरान हुआ। नाव में कुल 14 भारतीय नागरिक सवार थे। उच्चायोग ने अपने बयान में कहा- बेइरा पोर्ट के पास क्रू ट्रांसफर के दौरान एक नाव पलट गई, जिसमें 14 भारतीय नागरिक थे। कुछ भारतीयों को बचा लिया गया है, लेकिन कुछ की मौत हो गई और कुछ अभी भी लापता हैं।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक, तीन क्रिकेटर्स समेत 10 लोगों की मौत और कई घायल

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हैं। इन हमलों ने 48 घंटे के युद्धविराम को तोड़ दिया, जिसने सीमा पर लगभग एक सप्ताह की हिंसक झड़पों को शांत किया था। तालिबान अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत में तीन जगहों पर बमबारी की है। अब अफगानिस्तान इसका जवाब देगा। प्रांतीय अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि मृतकों में 2 बच्चे शामिल हैं।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए मौजूद तीन खिलाड़ी भी हमलों में मारे गए। अब बोर्ड ने अगले महीने पाकिस्तान के साथ होने वाली त्रिकोणीय टी20आई सीरीज से हटने का फैसला किया। वहीं, पाकिस्तान के सीनियर सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि ये सटीक हवाई हमले अफगान सीमा में हाफिज गुल बहादुर गुट को निशाना बनाकर किए गए, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़ा है। इस्लामाबाद ने दावा किया कि यह समूह उत्तरी वजीरिस्तान में सैन्य शिविर पर आत्मघाती हमले और गोलीबारी में शामिल था, जिसमें 7 पाकिस्तानी अर्धसैनिक सैनिक मारे गए थे।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में क्यों बढ़ा तनाव : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव का मुख्य कारण सुरक्षा मुद्दे हैं। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर टीटीपी जैसे उग्रवादी समूहों को पनाह देता है, जिसे काबुल ने खारिज किया है। शनिवार से सीमा पर हिंसा तेजी से बढ़ी थी, जब काबुल में विस्फोट हुए उस समय जब तालिबान के विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर थे। तालिबान ने इसके बाद पाकिस्तान के साथ दक्षिणी सीमा पर आक्रामक कार्रवाई शुरू की, जिसके जवाब में इस्लामाबाद ने कड़ा रुख अपनाने की बात कही। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने काबुल पर भारत का प्रॉक्सी बनने और पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया।

क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों पर हमला हुआ : एसीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर बताया कि यह हमला पक्तिका प्रांत की राजधानी शराना में एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों कबीर, सिब्घतुल्लाह और हारून पर हुआ। एसीबी ने हमले के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में होने वाली टी-20 सीरीज नाम वापस लिया हमले के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नवंबर में पाकिस्तान में होने वाली ट्राई टी-20 सीरीज से नाम वापस ले लिया। टीम को 17 और 23 नवंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले खेलने थे। यह पहली बार होता जब अफगानिस्तान, पाकिस्तान की सरजमीं पर उसके खिलाफ खेलता। हालांकि, इससे पहले अफगानिस्तान ने 2023 एशिया कप और इस साल की चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में खेले थे, लेकिन तब उसका मेजबान टीम पाकिस्तान से मुकाबला नहीं हुआ था। पाकिस्तानी हमले से काबुल में स्कूल-घरों को नुकसान तालिबान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने बुधवार को काबुल पर दो ड्रोन हमले किए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जाद्रान के मुताबिक, ड्रोन ने एक घर और बाजार को निशाना बनाया। इन हमलों में कम से कम 5 लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हैं। हमले में पास का एक स्कूल भी प्रभावित हुआ। इस स्कूल में 500 से ज्यादा बच्चे पढ़ते हैं और करीब 50 क्लासरूम हैं। हमले के समय छात्र घर जा चुके थे। स्कूल के अधिकारी मोहम्मद सादिक ने कहा, आज जब बच्चे और उनके परिवार लौटे और स्कूल की हालत देखी, तो कई की आंखों में आंसू थे। यह एक शैक्षणिक स्थान है, कोई सैन्य ठिकाना नहीं। इस स्कूल का क्या कसूर था। पाकिस्तानी हमले से अफगानिस्तान में अब तक 37 मौतें यूएन के मुताबिक पाकिस्तानी हमलों में इस हफ्ते अफगानिस्तान के 6 प्रांतों में 37 नागरिक मारे गए और 425 घायल हुए। जबकि पाकिस्तान का कहना है कि उसने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की। पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- तालिबान के फैसले दिल्ली से हो रहे इसके बाद गुरुवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयानबाजी तेज कर दी। उन्होंने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि तालिबान के फैसले दिल्ली से लिए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद की सजा माफ की, धोखाधड़ी के लिए हुई थी सात साल की जेल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद जॉर्ज सेंटोस की सजा माफ की। सेंटोस पर धोखाधड़ी और लोगों की पहचान चुराने के आरोप लगे थे, जिसके चलते उन्हें सात साल से अधिक की जेल हुई थी। सेंटोस ने पिछले साल कबूल किया था कि उन्होंने दान देने वालों (डोनर) को धोखा दिया और अपने चुनावी अभियान के लिए 11 लोगों की पहचान चुराई थी, जिसमें उनके परिवार के लोग भी शामिल थे। सेंटोस को जुलाई में न्यू जर्सी की एक कम क्षमता वाली जेल में भेजा गया था, जहां करीब पचास कैदी रहते थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि सेंटोस को तत्काल रिहा किया जाएगा। उन्होंने सेंटोस को शुभकामनाएं भी दीं। वहीं, सेंटोस के वकील ने कहा कि पूर्व सांसद का परिवार जेल पहुंच रहा है और उन्होंने उनकी रिहाई के लिए राष्ट्रपति की कार्रवाई की सराहना की है। जेल प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सेंटोस ने जेल में रहते हुए स्थानीय अखबार में जेल की स्थिति पर नियमित रिपोर्ट लिखी। हाल ही में उन्होंने ट्रंप से सीधे अपील की कि उन्हें परिवार और समुदाय के पास लौटने का मौका दिया जाए। ट्रंप की ओर से कई रिपब्लिकन नेताओं की सजा पहले माफ की चुकी है। मई में उन्होंने पूर्व सांसद माइकल ग्रिम को भी माफ किया था, जो अपने रेस्तरां में

वेतन और आमदनी के गलत तरीके के लिए दोषी पाए गए थे। लेकिन सेंटोस का मामला अपनी पार्टी के भीतर विवादास्पद रहा है। वह 2022 में सार्वजनिक तौर पर ट्रांसजेंडर रिपब्लिकन सांसद बने। लेकिन जल्द ही उनके जीवन की झूठी कहानी सामने आ गई। उन्होंने दावा किया था कि वह एक सफल व्यवसाय सलाहकार हैं। मगर बाद में पता चला कि उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं की और न ही उन्होंने कथित प्रतिष्ठित कंपनियों में काम किया था। वह यहूदी भी नहीं थे, जैसा उन्होंने बताया था। वास्तव में सेंटोस आर्थिक रूस से तंगी में थे और उन्हें बेघर होने का खतरा था। 2023 में उन पर दाताओं से चोरी, बेरोजगारों से धोखाधड़ी और कांग्रेस (संसद) में झूठ बोलने के आरोप लगे। कुछ ही महीनों में उन्हें प्रतिनिधि सभा से निकाल दिया गया और वह इतिहास के छठे सांसद बने जिन्हें सदस्यों ने हटाया। सेंटोस ने मुकदमे से पहले ही अपना गुनाह कबूल किया। पूर्व सहयोगी सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने उनके लिए सजा माफी की अपील की थी।

रेड क्रॉस को सौंपा गया इस्राइली बंधक ताबूत, नेतन्याहू के कार्यालय ने की पुष्टि

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल को शुक्रवार को एक और बंधक का शव सौंपा गया है। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि हमास ने यह शव रेड क्रॉस के जरिये सौंपा गया। शव सौंपकर हमास युद्ध को खत्म करने के लिए जारी संघर्षविराम को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। बाद में रेड क्रॉस ने यह शव इस्राइली सेना और सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया। शव को इस्राइल के राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा केंद्र को भेजा गया, जहां से इसकी पहचान की प्रक्रिया पूरी होगी। इसके बाद ही परिजनों की इसकी सूचना दी जाएगी। हमास की तरफ से शव की पुष्टि हमास के लड़ाकू संगठन कसम ब्रिगेड ने कहा कि यह शव एक कब्जे में लिए गए कैदी का है। इसका मतलब है कि यह शव किसी इस्राइली नागरिक का है, न कि किसी अन्य देश के बंधक का। संघर्षविराम समझौते के तहत शवों की वापसी जरूरी है। इसके अलावा, सहायता सामग्री की आपूर्ति, सीमा खोलना और गाजा के पुनर्निर्माण जैसे मुद्दे भी इस समझौते का हिस्सा हैं। ट्रंप की चेतावनी

और शवों की खोज हमास का कहना है कि वह संघर्षविराम के नियमों का पालन कर रहा है और शवों को लौटाने की कोशिश कर रहा है। इस हफ्ते हमास ने इस्राइल को नौ बंधकों के शव सौंपे हैं। एक अतिरिक्त शव भी दिया गया, जिसे इस्राइल ने कहा कि वह बंधक का नहीं था।

इस्राइली सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि हमास को समझौते के तहत सभी शव लौटाने होंगे। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर हमास सभी शव नहीं लौटाता तो वह इस्राइल को युद्ध फिर से शुरू करने की अनुमति देगा।

ट्रंप बोले- मुझे नोबेल पुरस्कार की नहीं, जिंदगियां बचाने की परवाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने अब तक आठ संघर्षों को सुलझा लिया है और अब वह अफगानिस्तान व पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष को भी आसानी से हल कर सकते हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह उनके लिए आसान मामला है।

ट्रंप का यह बयान उस समयआया है, जब अफगानिस्तान व पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। अफगान तालिबान के अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात दावा किया कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए फिर से हमला किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष खत्म करने का दावा दोहराया। इसके बाद वह अफगानिस्तान-पाकिस्तान के मुद्दे की तरफ आगे बढ़े। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने हमला किया या अफगानिस्तान के साथ हमले जारी हैं। अगर मुझे इसे हल करना पड़ा तो यह मेरे लिए एक आसान मामला है।

उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने कई संघर्ष सुलझा लिए हैं, जिसमें भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम भी शामिल है। हालांकि भारत ने उनके इस दावे को कई बार सिरे से खारिज किया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि इतने सारे संघर्षों को सुलझाने के बावजूद उन्हें नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। उन्होंने कहा, यह (नोबेल पुरस्कार) किसी और को मिल गया। वह एक बहुत अच्छी महिला हैं। मैं उन्हें नहीं जानता लेकिन वह उदार हैं। मुझे इन चीजों की परवाह नहीं है। मुझे केवल जिंदगियां बचाने की परवाह है। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार विजेता वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो की बात कर रहे थे। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल ही में सीमा पर खूनी झड़पें हुईं, जिसके बाद दोनों देशों ने 48 घंटे के संघर्षविराम पर सहमति जताई थी। दोनों देशों ने इसके लिए एक-दूसरे की जिद को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, अफगानिस्तान के अधिकारियों ने शुक्रवार रात कहा कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम को तोड़ते हुए अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए, जिनमें दस लोग मारे गए। तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया, पाकिस्तान ने संघर्षविराम को तोड़ते हुए पक्तिका प्रांत में तीन जगहों पर बमबारी की है। अफगानिस्तान इसका जवाब देगा। इन हमलों में अफगानिस्तान में के तीन स्थानीय क्रिकेट खिलाड़ियों की भी मौत हो गई, जिसकी पुष्टि अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने की है। ये खिलाड़ी पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले के रहने वाले थे। क्रिकेट बोर्ड ने हमले को कायरतापूर्ण बताया। इससे पहले इस हफ्ते तालिबान सरकार ने दावा किया था कि उन्होंने पाकिस्तान की 25 चौकियां कब्जे में ली हैं, जिसमें 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और 30 घायल हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत काबुल के अब्दुल हक चौक पर हुए विस्फोट से हुई थी। उस समय तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत दौरे पर थे। अफगान अधिकारियों ने इस धमाके लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। लेकिन पाकिस्तान ने इसमें अपनी कोई भूमिका होने से इनकार किया। हिंसक झड़पों के बाद दोनों पक्षों ने युद्धविराम पर सहमति जताई।

भारत की गोद में जा बैठा तालिबान, बौखलाया पाकिस्तान बोला- खत्म हो गए सारे रिश्ते

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के साथ तनाव के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी जहर उगल दिया है। उन्होंने कहा कि अब दोनों देशों के बीच पुराने संबंधों का युग समाप्त हो गया है। आसिफ ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले अफगान नागरिक तुरंत अपने देश की ओर रवाना हो जाएं। उन्होंने कहा, अब उनकी अपनी सरकार है। हमारी धरती और संसाधन केवल 25 करोड़ पाकिस्तानियों के लिए हैं।

बता दें कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक के बाद दोनों देशों में तनाव काफी बढ़ गया था। सीमा पर गोलीबारी में दोनों तरफ का नुकसान हुआ। इसके बाद बॉर्डर पर 48 घंटे का सीजफायर हो गया। शुक्रवार शाम को 6 बजे सीजफायर खत्म होने से पहले ही ऐलान हो गया कि इस अस्थायी युद्धविराम को दोहा में वार्ता खत्म होने तक बढ़ाया जाता है। इसके बाद भी पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पत्तिका प्रांत में एयरस्ट्राइक कर दी।

इसको लेकर तालिबानी अधिकारियों ने का कहा कि दोनों के बीच समझौता टूट गया है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान को 836 प्रोटेस्ट नोट भेजे गए हैं। इसके अलावा उससे 13 मांगें रखी गई हैं। यह सभी सीमा पार आतंकवाद से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, अब कोई भी प्रतिनिधिमंडल काबुल नहीं जाएगा। अब कोई प्रोटेस्ट नोट और शांति की अपील नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, आतंक जहां भी पल रहा है, उसे उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भारत का भी लिया नाम : आसिफ ने बीच में भारत को भी घसीटते हुए कहा कि तालिबान सरकार भारत की तरफ से काम कर रही है और पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रच रही है। उन्होंने कहा, काबुल के शासक आज भारत की गोद में जा बैठे हैं। वे कभी हमारी हिफाजत में रहते थे। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर सीमा पर अफगानिस्तान कोई भी उकसावे की गतिविधि करता है तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। बता दें कि पाकिस्तान ने काबुल पर उस समय एयरस्ट्राइक की थी जब अफगान विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर थे। इससे साफ जाहिर होता है कि वह आतंकी घटनाओं से ज्यादा भारत और अफगानिस्तान की बढ़ती करीबी से परेशान है।

जहां हैं, वहीं रुक जाएं और युद्ध खत्म करें.., जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद यूक्रेन और रूस से बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की से लंबी बैठक के बाद कीव और मॉस्को से कहा कि जहां हैं, वहीं रुक जाएं और अपने क्रूर युद्ध को समाप्त करें। पिछले नौ महीनों में इस युद्ध को लेकर ट्रंप की नाराजगी कई बार सामने आ चुकी है, जब से वह दोबारा राष्ट्रपति बने हैं। लेकिन इस बार उन्होंने संकेत दिया कि यक्रेन को वह इलाका छोड़ देना चाहिए जो रूस ने कब्जे में ले लिया है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, काफी खून बह चुका है। अब जमीन की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं। अब उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए। दोनों ही पक्ष खुद को विजेता मानें और ऐतिहासिक फैसला करें। बाद में जब ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे (जहां वह साप्ताहांत बिता रहे हैं), तो उन्होंने दोनों देशों से तत्काल युद्ध बंद करने की अपील की और संकेत दिया कि रूस वही जमीन अपने पास रख सकता है, जो उसने यूक्रेन से ले ली है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, आप जंग के मोर्चे की जो स्थिति है, उसी को मानें। वरना मामला बहुत जटिल हो जाएगा। उसी मोर्चे पर रुकें और दोनों पक्ष घर जाएं, अपने परिवारों के पास लौटें, हत्या बंद करें। बस वही होना चाहिए। ट्रंप का रवैया समय के साथ बदलता रहा है। पहले वह यूक्रेन को जमीन छोड़ने की सलाह दे रहे थे। लेकिन हाल के हफ्तों में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रति नाराजगी जताई और यूक्रेन की ज्यादा मदद करने की बात करने लगे थे। इसका मतलब है कि ट्रंप की सोच स्थिर नहीं रही। कभी वो यूक्रेन को समर्थन देने की बात करते हैं, तो कभी उसे समझौता करने के लिए कहते हैं। पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यहां तक कहा था कि उन्हें लगता है यूक्रेन वो सभी इलाके वापस ले सकता है जो उसने फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद खो दिए। यह ट्रंप का एक बड़ा यू-टर्न था, क्योंकि इससे पहले वह कहते थे कि यूक्रेन को शांति के लिए जमीन छोड़नी होगी।

बांग्लादेश: सांविधानिक सुधारों से युवा असंतुष्ट, संसद परिसर में किया बवाल, मुख्य गेट फांदकर घुसे प्रदर्शनकारी

ढाका, एजेंसी। राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को लोकतांत्रिक सुधार सुनिश्चित करने वाले जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन युवाओं के भारी विरोध व नवगठित (नेशनल सिटिजन पार्टी-एनसीपी) के विरोध के कारण अंतरिम सरकार का जश्न फीका पड़ गया। हालात यह रहे कि जुलाई चार्टर के सांविधानिक प्रावधानों में अपनी मांगों की अनदेखी से नाराज युवा प्रदर्शनकारी मुख्य दरवाजे को फांदकर संसद भवन परिसर में दाखिल हो गए और जमकर बवाल काटा। इस दौरान सरकार विरोधी नारे भी लगे।

खुद को हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले प्रदर्शनकारी बताते हुए युवा शुक्रवार सुबह से ही संसद भवन के पास एकत्र होने लगे थे। वे इस बात पर नाराजगी जता रहे थे कि नए चार्टर में उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है, जबकि हसीना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के दौरान उनके कई प्रियजनों की मौत हुई है। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जब पीछे हटने से इन्कार किया तो पुलिस ने उनको तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और तेज आवाज करने वाले ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। इस बीच यूनुस ने संसद भवन के बाहर एकत्रित जनसमूह को बताया कि जुलाई चार्टर में हस्ताक्षरों का अर्थ है कि एक नया बांग्लादेश आकार ले रहा है। उन्होंने कहा, हम बर्बरता से निकलकर एक सभ्य समाज में प्रवेश कर चुके हैं।

सांविधानिक व कानूनी बदलावों का नया रोडमैप है जुलाई चार्टर : जुलाई 2024 में शुरू हुए राष्ट्रीय विद्रोह के नाम पर रखा गया जुलाई राष्ट्रीय चार्टर सांविधानिक संशोधनों, कानूनी परिवर्तनों और नए कानूनों के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यूनुस सरकार द्वारा गठित एक राष्ट्रीय सहमति आयोग ने हसीना की

अवामी लीग पार्टी को छोड़कर, प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद चार्टर तैयार किया। पूर्व पीएम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और आठ समान विचारधारा वाली पार्टियों ने कहा कि वे चार्टर पर हस्ताक्षर करेंगे जबकि एनसीपी ने इससे इन्कार कर दिया है। फरवरी में चुनावों पर अनिश्चितता यूनुस ने अगला राष्ट्रीय चुनाव फरवरी में कराने का वादा किया है, 17 करोड़ की आबादी वाले मुस्लिम बहुल देश में इस्लामी पवित्र महीना रमजान शुरू होने से पहले। लेकिन सवाल यह है कि क्या हसीना की पार्टी और उसके सहयोगियों के बिना यह चुनाव समावेशी होगा। देश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी, जमात-ए-इस्लामी ने भी चार्टर पर हस्ताक्षर करने को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। पिछले अगस्त में भारी विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बेदखल हुई हसीना भारत में निर्वासन में हैं और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों में उनकी अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि हफ्तों तक चले विद्रोह में करीब 1,400 लोग मारे गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह पुलिस स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

नई दिल्ली

21 अक्तूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में सशस्त्र चीनी टुकड़ी द्वारा घात लगाकर किए हमले में पुलिस के 10 वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। तब से प्रतिवर्ष 21 अक्तूबर पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। पुलिस कर्मियों द्वारा दिए गए बलिदान तथा राष्ट्रीय सुरक्षा एवं एकता बनाए रखने में पुलिस की उत्कृष्ट भूमिका का सम्मान करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने पुलिस स्मृति दिवस, 2018 के अवसर पर चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक (NPM) देश को समर्पित किया। यह स्मारक पुलिस बलों में राष्ट्रीय पहचान, गर्व, उद्देश्यों में एकरूपता, एक समान इतिहास और भविष्य की भावना भरने के साथ-साथ उनकी इस प्रतिबद्धता को भी और मजबूत करता है कि उन्हें अपने प्राणों की कीमत पर भी देश की रक्षा करनी है। पुलिस स्मारक में एक केंद्रीय शिल्पकृति के अलावा 'शौर्य की दीवार' तथा एक संग्रहालय भी मौजूद है। केंद्रीय शिल्पकृति के रूप में मौजूद एक 30 फुट ऊँचा ग्रेनाइट का एकल पाषाण खंड पुलिस कर्मियों की शक्ति, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। इसी प्रकार 'शौर्य की दीवार' जिस पर शहीदों के नाम उत्कीर्ण हैं, कर्तव्य के पथ पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले पुलिस कर्मियों की बहादुरी और बलिदान के अचल प्रतीक के रूप में उपस्थित है। यहाँ मौजूद संग्रहालय की संकल्पना में भारतीय पुलिस व्यवस्था के इतिहास और विकास यात्रा के दर्शन होते हैं। यह स्थान पुलिस बल और आम नागरिकों दोनों के मन में एक तीर्थ जैसा आदर रखता है। यह स्मारक आम जनता के लिए सोमवार के अलावा अन्य सभी दिन खुला रहता है। CAPFs द्वारा प्रत्येक शनिवार और रविवार को सूर्यास्त से एक घंटा पूर्व यहाँ बैंड, परेड और रिट्रीट समारोह का आयोजन भी किया जाता है। 'पुलिस स्मृति दिवस', अर्थात् 21 अक्तूबर को, देश भर में शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। मुख्य कार्यक्रम राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में आयोजित किया जाता है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह समारोह की अध्यक्षता करेंगे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और दिल्ली पुलिस की एक संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। रक्षा मंत्री, गृह राज्य मंत्री, पुलिस पृष्ठभूमि के सांसद, CAPFs/CPOs प्रमुख तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त महानिदेशक, पुलिस समुदाय के अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम के दौरान, माननीय रक्षा मंत्री शहीदों का स्मरण करते

हुए उपस्थित जन समूह को संबोधित करेंगे और पुलिस व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों का उल्लेख करेंगे। यह कार्यक्रम हॉट स्प्रिंग्स के शहीदों को समर्पित वेदिका पर गृहमंत्री जी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किए जाने के साथ संपन्न होता है। इस कार्यक्रम का दूरदर्शन, AIR तथा मीडिया में प्रसारण करने के साथ-साथ पुलिस बलों की वेबसाइट पर वेबकास्ट भी किया जाएगा। शहीदों की स्मृति में 22 से 30 अक्तूबर के बीच CAPFs/CPOs द्वारा NPM पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें शहीदों के परिजनों को स्मारक पर आमंत्रित करना, पुलिस बैंड डिस्प्ले, मोटर साइकल रैली, शहीदों के निमित्त दौड़, आदि का आयोजन करने के साथ-साथ पुलिस बल कर्मियों के बलिदान, शौर्य तथा सेवा को दर्शाने वाली वीडियो फिल्में दिखाना शामिल हैं।

दोहा वार्ता में तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हुए पाकिस्तान-अफगानिस्तान

बीजिंग कतर के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने दोहा की कतरी राजधानी में आयोजित वार्ता के एक दौर के दौरान तत्काल संघर्ष विराम पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया है कि कतर और तुर्कीये की मध्यस्थता से दोनों पक्षों ने शत्रुता समाप्त करने और दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थायी शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौते पर पहुंचने का नेतृत्व किया। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष युद्धविराम के स्थायित्व को सुनिश्चित करने और विश्वसनीय और टिकाऊ तरीके से इसके कार्यान्वयन को सत्यापित करने के लिए आने वाले दिनों में अनुवर्ती बैठकें करने पर भी सहमत हुए, जिससे दोनों देशों में सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करने में योगदान मिला। कतर के विदेश मंत्रालय ने उम्मीद जताई कि यह कदम पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा तनाव को कम करने और क्षेत्र में स्थायी शांति की ठोस नींव रखने में मदद करेगा।

सूरत कपड़ा बाज़ार में दीपावली की पूजा धनतेरस से ही शुरू हो जाती है। धनतेरस के मौके पर अनेकों दुकानों में शनिवार से ही पूजा शुरू हो गई। रिंग रोड़ स्थित अभिषेक मार्केट में एक प्रतिष्ठान पर सपरिवार पूजा करते व्यापारी।

सैफई में नाच-गाने का आयोजन करते थे, अयोध्या जगमगा रही है, तो दिक्कत है

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने अखिलेश के बयान पर किया पलटवार

लखनऊ

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने दिवाली समारोहों पर सरकारी खर्च की तुलना क्रिसमस से करने पर बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद ने कड़ी निंदा की है, जिससे राजनीतिक विवाद छिड़ गया। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अयोध्या के जगमगाने से दिक्कत है। पूनावाला ने कहा कि यूपी में समाजवादी पार्टी के शासन में अयोध्या को अंधेरे में रखा गया। तत्कालीन सपा सरकार ने पहले भी राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। अब जब अयोध्या जगमगा रही है, तो अखिलेश यादव को दिक्कत हो रही है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ये लोग सैफई में नाच-गाने का आयोजन करते थे, लेकिन अयोध्या में दिवाली मनाई जा रही है, तो उन्हें दिक्कत हो रही है। वहीं विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने अखिलेश यादव पर भारतीय संस्कृति की बजाय विदेशी परंपराओं का महिमामंडन

करने का आरोप लगाया। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिवाली के मौके पर क्रिसमस की तारीफ़ करते यूपी के इस पूर्व मुख्यमंत्री की बात।

दीयों की कतारों ने उनका दिल इतना जला दिया है कि वह हिंदुओं को उपदेश दे रहे हैं, दीयों और मोमबत्तियों पर पैसा बर्बाद मत करो, क्रिसमस से सीखो कह रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि वह हिंदुओं से ज्यादा ईसाइयों से प्यार करते हैं और भारतीय त्योहारों से ज्यादा विदेशी त्योहारों का महिमामंडन करते हैं। बंसल ने यह भी कहा कि जब ईसाई धर्म नहीं था, तब भी दिवाली मनाई जाती थी। आज दिवाली पर वह क्रिसमस पर प्रवचन दे रहे हैं। क्रिसमस दो महीने बाद आएगा। उन्हें ये भी नहीं पता कि कौन सा त्योहार आ रहा है। अखिलेश अपनी सनातन विरोधी मानसिकता से कब मुक्त होंगे?

बता दें अखिलेश यादव ने शनिवार को दिवाली समारोहों पर सरकार के खर्च पर सवाल उठाए थे और इसकी तुलना दुनिया भर में क्रिसमस समारोहों से की थी। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि मैं भगवान राम के नाम पर एक सुझाव देना चाहूंगा।

दुनिया भर में, क्रिसमस के दौरान सभी शहर जगमगा उठते हैं, और यह महीनों तक चलता है। हमें उनसे सीखना चाहिए। हमें दीयों और मोमबत्तियों पर इतना पैसा क्यों खर्च करना पड़ता है और इसके लिए इतना सोचना क्यों पड़ता है?

कर्नाटक में आरएसएस के पथ संचलन को सरकार ने नहीं दी इजाजत

शांति और कानून-व्यवस्था भंग होने की आशंका का दिया हवाला

बेंगलुरु

कर्नाटक के चित्तपुर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन कार्यक्रम को इजाजत नहीं दी। राज्य सरकार में मंत्री प्रियंक खड़गे का गृह निर्वाचन क्षेत्र चित्तपुर है, जहां अधिकारियों ने शांति और कानून-व्यवस्था भंग होने की आशंका का हवाला दिया।

नगर पालिका परिषद ने मुख्य सड़क पर आरएसएस की ओर से लगाए गए कट-आउट और बैनर पुलिस सुरक्षा के बीच हटा दिए थे। उसने कहा था कि इन्हें मार्च की इजाजत देने से पहले लगाया गया था। चित्तपुर के तहसीलदार ने अपने आदेश में कहा कि चित्तपुर में शांति व कानून-व्यवस्था भंग होने से रोकने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए 19 अक्टूबर को होने वाले आरएसएस के पथ संचलन कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार किया जाता है। इसके साथ ही आवेदन खारिज किया जाता है। कर्नाटक सरकार ने भी आदेश जारी कर निजी संगठनों, संघों या समूहों के लिए किसी भी सरकारी संपत्ति या परिसर का उपयोग कार्यक्रमों, आयोजनों या जुलूसों के लिए करने के वास्ते पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया। राज्य मंत्रिमंडल की ओर से लिए गए उस फैसले के दो दिन बाद यह कदम उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि किसी भी कार्यक्रम के आयोजन के लिए सरकारी विद्यालयों, कॉलेज परिसरों और सार्वजनिक स्थलों के इस्तेमाल से पहले इजाजत लेना जरूरी होगा। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खड़गे ने हाल ही में सीएम सिद्धरमैया को पत्र लिखा थी। इसमें उन्होंने सरकारी विद्यालयों, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग रखी थी। संगठन के शताब्दी समारोह के अवसर पर और विजयादशमी के तहत आरएसएस ने 19 रविवार को दोपहर तीन बजे कार्यक्रम रखा था। कलबुर्गी जिले के चित्तपुर शहर में पथ संचलन और विजयादशमी कार्यक्रम की

इजाजत के लिए एक आवेदन दिया था। भीम आर्मी संगठन ने भी पत्र के जरिए सूचित किया कि वह 19 अक्टूबर को उसी मार्ग पर एक रूट मार्च निकालेगा। इसके अलावा पुलिस थाने के खुफिया अधिकारी को इन जुलूसों के बारे में जानकारी एकत्र करने का काम दिया गया था। इस संबंध में एक रिपोर्ट सौंपी गई थी जिसमें कहा गया कि 16 अक्टूबर को आरएसएस कार्यकर्ता दानेश नारोन ने विधायक और जिला प्रभारी मंत्री प्रियंक खड़गे को अपशब्द कहे थे। उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में बेंगलुरु के सदाशिवनगर थाने में मामला दर्ज किया है। इस घटना के विरोध में चित्तपुर समेत पूरे कर्नाटक में प्रदर्शन हुए हैं।

दीवाली पर होगी झमाझम बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली इस दीवाली पर मौसम की मार का असर हो सकता है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा जैसे राज्यों में धुंध छाई रहेगी, हालांकि बारिश से यहां राहत है। इसके अलावा तमिलनाडु में चार दिनों तक बारिश की चेतावनी जारी की गई है। उत्तरी तटीय तमिलनाडु के लिए 22 अक्टूबर के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। तिरुवल्लूर, चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, विल्लुपुरम और रानीपेट ज़िलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। कुड्डालोर, कल्लाकुरिची, तिरुवन्नामलाई, तिरुपत्तूर और वेल्लोर में भी भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई में, आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज और बिजली के साथ, हो सकती है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र चेन्नई ने दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के बाद अगले चार दिनों में पूरे तमिलनाडु में व्यापक बारिश की भविष्यवाणी करते हुए मौसम संबंधी चेतावनी जारी की है। रविवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कई हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। एक या दो स्थानों पर, विशेष रूप से कोयंबटूर जिले के पहाड़ी क्षेत्रों और नीलगिरी, इरोड, तिरुप्पुर, थेनी, तेनकासी, तिरुनेलवेली और कन्नियाकुमारी जिलों में भारी बारिश की भी संभावना है। सोमवार (20 अक्टूबर) के लिए, पूर्वानुमान में चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम, तिरुवरूर, तंजावुर, पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम, कल्लाकुरिची और कोयंबटूर और इरोड जिलों के कुछ हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा का संकेत दिया गया है। मदुरै, डिंडीगुल और विरुधुनगर के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी और कराईकल में भी मध्यम बारिश होने की संभावना है। 21 अक्टूबर को विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम और पुदुचेरी-कराइकल के कुछ इलाकों में भारी बारिश की उम्मीद है।

सरयू आरती का विश्व रिकॉर्ड, 2100 विद्वानों ने एक साथ की आरती

अयोध्या

सरयू आरती का पिछले साल बना रिकॉर्ड टूट गया। इस बार सरयू तट पर 21 सौ मातृ शक्तियों ने संस्कृत के विद्यार्थी एवं वंचित समाज के लोगों के साथ मां सरयू की आरती की। यह अलौकिक नजारा दर्शनीय था। मोक्षदायिनी मां सरयू की गत वर्ष 1151 लोगों ने सामूहिक रूप से सरयू की आरती कर वर्ल्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। इस बार पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर 2100 का आंकड़ा पर करने का लक्ष्य रखा गया था। सरयू आरती के दौरान वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज करने वाली टीम के सदस्य ड्रोन कैमरे के साथ मुस्तैद थे। सरयू तट पर इस आरती का आयोजन जिला प्रशासन एवं नगर निगम के सहयोग से वशिष्ठ फाउंडेशन ने किया। इस दौरान महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी अनिरुद्ध सिंह, नगर निगम के अधिकारी, धर्मगुरु एवं संभ्रांत जन्म मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर भी पहुंचे। 18 अक्टूबर की शाम छह बजे संपन्न हुए इस आयोजन में वशिष्ठ फाउंडेशन की सचिव राजलक्ष्मी तिवारी कि अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया कि व्यवस्था की दृष्टि से आरती स्थल को 11 जोन में विभाजित किया गया था।

डीआईजी भुल्लर से जेल में मुलाकात करने कोई नहीं पहुंचा, बुड़ैल जेल में हैं बंद लुधियाना में दर्ज हुई नई एफआईआर

फार्महाउस से शराब व जिंदा कारतूस बरामद

चंडीगढ

रिश्वत मामले में गिरफ्तार पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर इन दिनों चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में बंद हैं। जेल सूत्रों के अनुसार, अब तक उनसे मिलने कोई भी पारिवारिक सदस्य नहीं पहुंचा है। वे आम कैदियों की तरह ही जेल में रह रहे हैं और वही खाना खा रहे हैं। भुल्लर रात में जमीन पर गद्दा बिछाकर एक तकिया और चादर के साथ सोते हैं। भुल्लर को बैरक नंबर-7 में रखा गया है। शुक्रवार शाम को उन्हें बुड़ैल जेल लाया गया था। रात के खाने में उन्होंने सब्जी और रोटी, शनिवार सुबह चाय और ब्रेड, दोपहर में दाल, चावल और दो रोटियां, जबकि रात में आलू की सब्जी और थोड़ा चावल लिया था। इस पर भी डीआईजी भुल्लर की परेशानी कम होती नहीं दिख रही है, दरअसल लुधियाना के समराला में उनके खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज हुई है। सीबीआई ने भुल्लर के बोंदली स्थित फार्महाउस पर छापा मारकर 108 शराब की बोतलें (मूल्य 2.89 लाख रुपये) और 17 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह मामला आबकारी अधिनियम की धाराओं 61, 1 और 14 के तहत दर्ज किया गया है, जबकि अब आर्म्स एक्ट की धाराएं जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। यहां बताते चलें कि इससे पहले 16 अक्टूबर को मंडी गोबिंदगढ़ के एक स्क्रैप कारोबारी से 8 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए डीआईजी के एजेंट कृष्नु को सेक्टर-21 से रंगे हाथ पकड़ा गया था। सीबीआई ने पूछताछ के बाद डीआईजी भुल्लर को भी गिरफ्तार किया। आरोप है कि कृष्नु, डीआईजी के लिए रिश्वत के सौदे तय करता था। शुक्रवार को दोनों आरोपियों को चंडीगढ़ की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। राज्य सरकार ने डीआईजी को

तत्काल प्रभाव से निलंबित भी कर दिया है। सीबीआई का दायरा बढ़ा, आठ पुलिस अधिकारियों पर नजर सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई अब अपनी जांच का दायरा बढ़ा रही है। तीन जिलों के आठ पुलिस अधिकारियों से पूछताछ की तैयारी की जा रही है। माना जा रहा है कि मामले से जुड़े कुछ और प्रभावशाली लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

अयोध्या में 28 लाख दीयों से रोशन होगी राम नगरी

इलाहाबाद भगवान राम की नगरी अयोध्या दीपोत्सव की रौनक देखने को मिल रही है! राम नगरी 28 लाख से ज्यादा दीयों से रोशन होगी! अयोध्या फिर नया कीर्तिमान बनने के लिए तैयार है! दीपोत्सव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सभी घाटों को सजाया गया है, दीयों में बाती और तेल की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है। पिछली बार 25 लाख 12 हजार 585 दीये जलाने का रिकॉर्ड बनाया गया था। दीपोत्सव में दीपों के रिकॉर्ड से पहले अयोध्या में सरयू घाट पर भी एक नया रिकॉर्ड बनाया है। 2100 लोगों ने एक साथ सरयू घाट पर आरती की,` जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

खलीफा एर्दोगन ने फाइनल की डील, बांग्लादेश को मिलेगी वायु रक्षा प्रणाली और लड़ाकू ड्रोन

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का खुलकर साथ देने वाले तुर्की और बांग्लादेश के बीच होने वाले संभावित रक्षा समझौता भारत के लिए चिंता का कारण बन सकता है।

दरअसल बांग्लादेश और तुर्की के बीच एक बड़ा रक्षा समझौता लगभग फाइनल हो चुका है। बांग्लादेश को तुर्की से सिपर लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली मिलेगी। इतना ही नहीं बांग्लादेश को लड़ाकू ड्रोन भी मिलने वाले है। साथ ही ड्रोन के सह-उत्पादन का मौका भी मिलेगा। इस ऐतिहासिक और दक्षिण एशिया के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलावों में से एक कहा गया है।

यह सैन्य ताकत बढ़ाने के साथ-साथ संप्रभुता हासिल करने जैसा है, जिससे बांग्लादेश क्षेत्र के दिग्गजों के बीच अपना रास्ता बना सके।

म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के विरुद्ध विश्वसनीय रक्षा प्रणाली तैयार करना। भारत जैसे शक्तिशाली पड़ोसी के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक विषमता को सूक्ष्मता से संतुलित करना। सिपर एयर डिफेंस प्रणाली से ढाका को अपने हवाई क्षेत्र को अवरुद्ध करने की क्षमता मिलेगी।

ड्रोन के सह-उत्पादन से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ेगा, मानव पूंजी और औद्योगिक आधार में निवेश होगा, और निगरानी, टोही और हमला करने की क्षमताओं के लिए अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण मिलेगा। वहीं तुर्की के लिए यह व्यावसायिक जीत से बढ़कर है और राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की विश्व स्तर पर तुर्की के प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में अहम कदम है। यह एर्दोगन की महत्वाकांक्षी एशिया न्यू नीति को दिखाता है।

बांग्लादेश में पैर जमाने से तुर्की को बंगाल की खाड़ी में एक रणनीतिक उपस्थिति मिलती है, जिससे उसकी पहुंच काला सागर से लेकर हिंद महासागर तक फैल जाती है। वहीं यह समझौता भारत के लिए एक नया और अवांछित रणनीतिक सिरदर्द है। यह भारत की रणनीतिक गणना को बिगाड़ता है।

भारत के लिए चिंता की बात यह है कि ढाका में आपूर्तिकर्ता तुर्की है, चीन नहीं। चीन की घुसपैठ का मुकाबला करने की भारत के पास सुनियोजित रणनीति है, लेकिन तुर्की के मामले में ऐसा नहीं है। नाटो सदस्य तुर्की का बांग्लादेश को उन्नत रक्षा तकनीक बेचना एक नई स्थिति है। यह कदम ढाका के प्राथमिक सैन्य समर्थक के रूप में चीन की भूमिका को कमजोर करता है, लेकिन उसकी जगह एक और शक्तिशाली स्वतंत्र देश को स्थापित करता है।यह भारत के कूटनीतिक परिदृश्य को जटिल बनाता है।

अब ब्रिटिश के पायलटों को प्रशिक्षित करेंगे भारतीय वायुसेना के ट्रेनर

नई दिल्ली

वक्त वक्त की बात है एक समय था जब ब्रिटश ने भारत में 'रॉयल इंडियन एयर फोर्स'की नींव रखी थी, अब उसी ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) के फाइटर पायलटों को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के अनुभवी प्रशिक्षक ट्रेनिंग देने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वायुसेना के दो शीर्ष फाइटर पायलट प्रशिक्षक जल्द ही ब्रिटेन के आरएएफ वैली एयरबेस में तैनात होंगे, जो वेल्स के उत्तर-पश्चिम तट पर एंगल्सी द्वीप पर स्थित है। यहां वे ब्रिटिश एयरफोर्स के पायलट कैडेट्स को बीएई हॉक टी एमके 2 एडवांस्ड जेट ट्रेनर विमान पर ट्रेनिंग देंगे। यह वही विमान है जिस पर ब्रिटेन के अगली पीढ़ी के फाइटर पायलट टाइफून और एफ-35 जैसे फ्रंटलाइन जेट्स की तैयारी करते हैं।

रॉयल एयर फोर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह पहल दोनों देशों के बीच मजबूत होते रक्षा सहयोग की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा, भारतीय प्रशिक्षकों की नियुक्ति की सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन यह अक्टूबर 2026 से पहले नहीं होगी। उनकी यूके में प्रारंभिक ट्रेनिंग और परिचय प्रक्रिया करीब एक वर्ष या उससे कम समय में पूरी हो जाएगी।

इन दोनों भारतीय प्रशिक्षकों का वेतन भारत सरकार द्वारा दिया जाएगा, जबकि ब्रिटेन का रक्षा मंत्रालय उनके रहने की व्यवस्था करेगा। यह प्रशिक्षक आरएएफ

वैली में अधिकतम तीन साल तक तैनात रह सकते हैं। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट की रैंकिंग के मुताबिक, अमेरिका और रूस के बाद भारतीय वायुसेना दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना है। ब्रिटेन इस सूची में आठवें स्थान पर है।आरएएफ के सूत्रों के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ प्रशिक्षण सहयोग नहीं, बल्कि भारत-यूके के सामरिक और राजनीतिक रिश्तों को मजबूत करना भी है। एक अधिकारी ने कहा, भारतीय प्रशिक्षकों की भागीदारी से दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी विकसित होगी, जिससे विश्वास और सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे।